सूविचार

अवसर सूर्य उदय की तरह होते है यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे तो आप उन्हें गवा देंगे।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 319 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, गुरूवार 12 फरवरी 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

संक्षिप्त समाचार

बम धमाके की धमकी के बाद टली पप्पू यादव की जमानत पर सुनवाई, तीन जिलों की अदालतें रहीं बंद

पटना। बुधवार सुबह आए एक धमकी भरे ईमेल ने बिहार के तीन जिलों– पटना, दानापुर और किशनगंज की अदालतों की कार्यवाही ठप कर दी। ईमेल में 'दोपहर 1 बजे पांच धमाके' की चेतावनी दी गई थी और भड़काऊ नारे लिखे थे। सूचना मिलते ही प्रशासन ने एहतियातन सिविल कोर्ट परिसरों को खाली करा लिया और आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। सैकड़ों वादकारी और अधिवक्ता अदालत परिसरों के बाहर इंतजार करते रहे, जबकि कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। पटना सिविल कोर्ट में सांसद पप्पू यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे टाल दिया गया। बार-बार मिल रही धमकियों को लेकर अधिवक्ताओं में रोष देखा गया। कुछ वकीलों ने पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस भी की। अधिवक्ताओं का कहना है कि लगातार धमकियों के बावजूद स्थायी और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जा सकी है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। सूचना के बाद पीरबहोर थाने की पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। जज चैंबर, रिकॉर्ड रूम, वॉशरूम और सार्वजनिक क्षेत्रों की सघन तलाशी ली गई। कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर निगरानी बढ़ा दी गई। किशनगंज सिविल कोर्ट को मिले ईमेल में 'आरडीएक्स' लगाकर रिमोट से विस्फोट करने का दावा किया गया था। प्रशासन ने तत्काल परिसर खाली कराया। हालांकि अब तक किसी भी स्थान से विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर हाई अलर्ट जारी रखा गया है। बताया जा रहा है कि पटना सिविल कोर्ट को यह छठी बार धमकी मिली है।

महात्मा गांधी पर लिखा निबंध, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सजा कम कर 12 साल की

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की से रेप के दोषी एक आदमी की उम्रकैद की सजा को कम कर 12 साल कर दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने उसकी कम उम्र, लंबे समय तक जेल में रहने और जेल में सुधार की कोशिशों को ध्यान में रखकर यह सजा दी है। बताया गया कि सुधार की कोशिशों में महात्मा गांधी पर एक निबंध प्रोग्राम में हिस्सा लेना भी शामिल है। जस्टिस सारंग कोटवाल और जस्टिस संदेश पाटिल की बेंच ने अपने आदेश में 2016 के जुर्म में आदमी की सजा को बरकरार रखा, लेकिन कहा कि उस दी गई उम्रकैद की सजा कम की जानी चाहिए। बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच ने आदेश दोषी की अपील पर दिया, जिसमें उसने स्पेशल पॉस्को कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि अपराध के समय दोषी की उम्र 20 साल थी, उसका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था, वह दिसंबर 2016 से हिरासत में था और कोविड महामारी के दौरान भी रिहा नहीं किया गया था। बेंच ने जेल की पढ़ाई-लिखाई की गतिविधियों में उसके हिस्सा लेने वाले सर्टिफिकेट पर भी विचार किया, जिसमें एक निबंध कॉम्पिटिशन और महात्मा गांधी के विचारों पर स्टडी करने वाला एक प्रोग्राम शामिल था। जुर्म की गंभीरता के हिसाब से इन सुधार वाले फैक्टर्स को ध्यान में रखकर, बेंच ने कहा, हमारी राय में 12 साल की सजा इंसाफ के लिए सही होगी। इसमें आगे कहा गया कि दोषी ने जो समय पहले ही जेल में बिताया है, उसे कम की गई सजा में समायोजित कर दिया जाएगा।

कांग्रेस से गठबंधन रहेगा, सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं: स्टालिन

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। हाल ही में कांग्रेस के अंदर कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी। स्टालिन ने कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। तमिलनाडु के सीएम ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है। मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है।

1133.67 करोड़ रूपए की परियोजना से होगी सिंहस्थ-2028 में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था

सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का बढ़ेगा गौरव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में बने महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनाया है। मोक्षदायिनी शिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार हो रहा है। भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित की जा रही हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया 47.23 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन

इस परियोजना से सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही शहर के हर घर में लंबे समय तक जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के ग्राम हरियाखेड़ी में जल आवर्धन परियोजना के भूमि-पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लगभग 47.23 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा कि उनके दिखाए अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए ही हमारी सरकार गरीब से गरीब के कल्याण में लगी हुई है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही उज्जैन जिले में प्रोजेक्ट संवर्धन आरंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके सम्मान और सफाई कर्मचारियों को किट वितरण जैसी गतिविधियां प्रतीक स्वरूप आयोजित की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के माध्यम से आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के लिए एक बड़ी सौगात बहुत जल्द मिलने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। सरकार ने उज्जैन, ओरछा सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थानों पर शराबबंदी कर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं और बहनों को रोजगार दिलवाने के लिए रोजगार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उज्जैन के पास रेडीमेड गारमेंट की यूनिट शुरू होने पर बहनों को काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी उज्जैन ने बाबा महाकाल के कार्यक्रमों का प्रसारण किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि आकाशवाणी के माध्यम से उज्जैन के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। आकाशवाणी के माध्यम से सिंहस्थ से जुड़े समाचार भी जन-जन तक पहुंचेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में पूरी दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। राज्य सरकार इसके लिए सभी तैयारियों को समय रहते हुए पूरा कर रही है। उज्जैन बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की नगरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए विकास कार्य हो रहे हैं। क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। रामघाट के पास एक छोटा और एक बड़ा पुल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मार्च में उज्जैन में भव्य गीता भवन का लोकार्पण होगा। शीघ्र ही उज्जैन-इंदौर फोर लेन रोड का भूमि-पूजन भी किया जाएगा। उज्जैन भी मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा होगा। यह सभी कार्य शहर के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

अमेरिका ने लिया यू-टर्न, ट्रेड डील की प्रमुख शर्तों में गुपचुप किए बदलाव

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सहमति बनने के बाद अमेरिका ने मंगलवार को एक फैक्ट शीट जारी कर समझौते की प्रमुख शर्तें बताईं थीं। अब एक दिन बाद ही वाइट हाउस ने यू-टर्न लिया है। वाइट हाउस ने समझौते की प्रमुख शर्तों में गुपचुप तरीक से बदलाव किया है। खास बात यह है कि नई शर्तों में लिखीं बातें भारत के हक में है। शब्दों में भी हेरफेर की गई है। एग्रीमेंट का सबसे अहम हिस्सा कि भारत अमेरिका से 500 बिलियन से ज्यादा के उत्पाद खरीदने के लिए 'प्रतिबद्ध' है, को बदलकर भारत इस मूल्य के अमेरिकी उत्पाद खरीदने का 'इरादा रखता है' कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की तरफ से जारी संशोधित दस्तावेज में कहा गया है कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा, जिनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे व प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसमें आगे कहा गया है कि भारत अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद का इरादा रखता है। पहले 'इरादा' शब्द की जगह 'प्रतिबद्ध है' लिखा गया था।

दीया कुमारी ने पेश किया बजट

परीक्षाओं के लिए नई टेस्टिंग एजेंसी, 8वें वेतन आयोग के लिए हाईपावर कमेटी

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार में उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार (11 फरवरी) को लगातार तीसरा फुल बजट पेश किया। करीब 2 घंटे 54 मिनट के बजट भाषण में दीया कुमारी ने सरकारी कर्मचारियों, किसानों के साथ हेल्थ सेक्टर, पेयजल, ट्रांसपोर्ट सेक्टर में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि 8वें वेतन आयोग के लिए हाईपावर कमेटी बनेगी। प्रदेश में परीक्षाओं के लिए नई टेस्टिंग एजेंसी का भी बजट में ऐलान हुआ है। भजनलाल सरकार स्कूली बच्चों को खेल किट और जादुई पिटारा भी देगी। जिन मरीजों के पास डॉक्यूमेंट्स नहीं है, उन्हें भी अब राजस्थान में फ्री इलाज मिलेगा। बजट में मुख्यमंत्री लखपति दीदी योजना में अब कर्ज की सीमा को 1 से बढ़ाकर 1.50 लाख किया है। जलप्रदाय विभाग में 3 हजार संविदा कर्मियों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। साथ ही नई जल नीति लाने का भी ऐलान बजट में किया गया है। करीब 6500 गांवों को हर घर नल हर घर जल योजना से जोड़ा जाएगा। इतना ही नहीं वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में 1800 करोड़ रुपए की लागत से नई सड़कें और ब्रिज बनाएगी। 4 जिलों में एयरपोर्ट बनाने के लिए सर्वे भी होगा। अगले साल 15 नए रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज भी बनाए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार 30 हजार युवाओं को 10 लाख तक का ब्याज मुक्त लोन देगी। झींगा पालने वाले किसानों को सस्ती बिजली भी दी जाएगी। इसके अलावा सरकार ने दूसरे राज्यों से गाड़ी खरीदने पर टैक्स में छूट का भी ऐलान किया है।

देश की सबसे अमीर नगर निगम पर बीजेपी का कब्जा, रितु तावड़े बनीं महापौर

मुंबई। बीजेपी पार्षद रितु तावड़े बृहन्मुंबई नगर निगम की निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं। पिछले चार दशकों में यह पहली बार है जब बीजेपी इस पद पर पहुंची है। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चुनाव निर्विरोध हो गया, जिससे मुंबई के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व खत्म हो गया। शिवसेना नेता संजय घड़ी उप महापौर चुने गए हैं। घाटकोपर पश्चिम से तीन बार की पार्षद, रितु तावड़े को जमीनी राजनीति, नगर प्रशासन और जन कल्याण में एक दशक से ज्यादा का अनुभव है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता उन्हें सक्रिय नेता और समुदाय से मजबूत जुड़ाव रखने वाली नेता बताते हैं, जिन्होंने प्रशासनिक क्षमता और स्थानीय लोगों से घनिष्ठ संबंध के संयोजन के लिए ख्याति अर्जित की है। तावड़े मुंबई की नगर निगम राजनीति में एक प्रमुख स्थान रखती हैं। उन्होंने 2012 में वार्ड 127 से पार्षद चुने जाने के बाद पहली बार बृहन्मुंबई नगर निगम में प्रवेश किया। 2017 में वे घाटकोपर के वार्ड 121 से निर्वाचित हुईं। 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों में तावडे ने वार्ड 132 से जीत हासिल की, जिससे देश के सबसे धनी नगर निगम में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई।

एससी-एसटी वर्ग के संपन्न लोग आरक्षण से बाहर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जबाव

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर बड़ा कदम उठा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की मोदी सरकार से रिपोर्ट मांगी है कि उस संविधान बेंच के फैसले के बाद क्या कार्रवाई हुई है, जिसमें एससी और एसटी के आरक्षण को कोटा के भीतर कोटा बनाने की मंजूरी दी गई थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने पर भी जोर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उन याचिकाओं पर सुनवाई कर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के आरक्षण से क्रीमीलेयर को बाहर करने के लिए मानदंड निर्धारित करने की मांग हुई है।

बता दें कि ओपी शुक्ला और समता आंदोलन समिति के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके एससी-एसटी आरक्षण से क्रीमीलेयर करने की मांग गई है, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में सात जजों के द्वारा दिए गए फैसले पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला दिया था। डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एससी-एसटी आरक्षण को श्रेणी में बांटने का अधिकार राज्य सरकार दिया था।

छठवीं बार मिली बम की धमकी: पटना सिविल कोर्ट में हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

पटना। पटना सिविल कोर्ट को बुधवार सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर रात करीब एक बजे भेजे गए मेल में कोर्ट परिसर में आरडीएक्स प्लांट किए जाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही एहतियातन पूरे न्यायालय परिसर को तत्काल खाली करा लिया गया और अदालती कार्यवाही अस्थायी रूप से रोक दी गई। धमकी की सूचना फैलते ही कोर्ट परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा कारणों से आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर आवाजाही नियंत्रित कर दी। प्रारंभिक जांच के बाद प्रशासन ने बताया कि सुरक्षा जांच पूरी होने के उपरांत अदालत की कार्यवाही पुनः शुरू की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बम निरोधक दस्ता तथा डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने कोर्ट के प्रत्येक कक्ष, गलियारे, रिकॉर्ड रूम, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के हिस्सों की सघन तलाशी शुरू की।

योगी सरकार ने पेश किया अब तक का सबसे बड़ा बजट

निवेश, रोजगार, बुनियादी विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर फोकस

लखनऊ। उप्र की योगी सरकार ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 9.13 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 12.2 प्रतिशत अधिक है। इसे राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की 18वीं विधानसभा का आखिरी पूर्ण बजट माना जा रहा है। इस बजट में सरकार ने रोजगार, अवस्थापना विकास और चिकित्सा स्वास्थ्य समेत जनता से सीधे जुड़े विषयों को विशेष महत्ता दी गयी है। बजट में निवेश, रोजगार, बुनियादी विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर फोकस किया गया है। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि राज्य सरकार राजकोषीय प्रबंधन एवं ऋण नियंत्रण के लिए हमेशा पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बजट में 1.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत परिरव्यय प्रस्तावित है, जबकि 50 से अधिक नई योजनाओं के जरिए महिलाओं, युवाओं, किसानों, उद्योग और बुनियादी ढांचे पर विशेष फोकस रखा गया है। वित्त मंत्री ने बजट को 'विकसित भारत के संकल्प' और 'विजन-2047' की दिशा में निर्णायक कदम बताया। पिछले वर्षों में बजट का आकार लगातार बढ़ा है। 2017-18 में जहां बजट लगभग 3.85 लाख करोड़ था, वहीं 2026-27 में यह बढ़कर 9.13 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। यानी नौ वर्षों में बजट आकार दोगुने से भी अधिक हो गया है। यह बजट आकार, पूंजीगत निवेश पर जोर, नई योजनाओं की संख्या और महिला-युवा-किसान केंद्रित दृष्टिकोण के साथ राज्य को तेज आर्थिक वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाने का प्रयास है।

राजनीति

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने दी राहुल गांधी को चेतावनी

अपने बयान पर स्पष्टीकरण दें वर्ना विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का सामना करने को तैयार रहें

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हालिया बयान को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को चेतावनी दी कि यदि राहुल गांधी शाम 5 बजे तक अपने बयान पर स्पष्टीकरण या माफी नहीं मांगते हैं तो सरकार उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाएगी।

संसदीय मंत्री रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन में गलतबयानी कर सदन को गुमराह किया है। उन्होंने कहा, हम सदन को गुमराह करने और बेबुनियाद बयान देने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ प्रिविलेज नोटिस फाइल करने जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में प्रक्रिया और आचरण के स्पष्ट नियम हैं। यदि कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है, तो उसे पहले नोटिस देना होता है और आरोप को प्रमाणित भी करना होता है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने भारत और भारतीय हितों को बेच दिया है। रिजिजू ने सवाल उठाया, किस आधार पर? बिना नोटिस दिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सदन में बुलाकर अपने आरोपों को साबित करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

रिजिजू ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी जानबूझकर ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा, उनका भाषण आम तौर पर आरोपों से भरा होता है और उसके बाद वे सदन से चले जाते हैं। वे मंत्रियों का जवाब सुनने के लिए नहीं बैठते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता के पद पर गंभीरता का अभाव दिखता है।

तिलक सिंदूर मंदिर प्रांगण में 14 से 16 फरवरी तक भव्य मेले का आयोजन

» लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने किया व्यापक निरीक्षण, सुरक्षा व व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इटारसी। शहर के प्रसिद्ध तिलक सिंदूर मंदिर प्रांगण में 14 से 16 फरवरी तक तीन दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। हर वर्ष की तरह इस बार भी भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग की पूजा-अर्चना और अभिषेक के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मेले के दौरान श्रद्धालु जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चना कर मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना करेंगे।

मेले को सुव्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला नर्मदापुरम के जिला अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा, एसडीएम निलेश शर्मा, एसडीओपी वीरेंद्र सिंह मिश्रा, पथरोटा थाना प्रभारी संजीव पवार सहित अन्य अधिकारी मेला स्थल पहुंचे। अधिकारियों ने मेला प्रांगण का बारीकी से निरीक्षण करते हुए सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, भीड़ नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का आकलन किया।

निरीक्षण के दौरान मेला समिति अध्यक्ष नारायण बाबरिया, मीडिया प्रभारी विनोद वारिवा, हरिकिशोर मेहतो तथा पीडब्ल्यूडी से कैलाश वीलिया भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने वाहन पार्किंग स्थल, मुख्य मार्ग, मंदिर परिसर, प्रवेश और निकास मार्गों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए आने-जाने वाले मार्गों को सुगम बनाने, बैरिकेडिंग की उचित व्यवस्था करने तथा यातायात को व्यवस्थित रखने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेले के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष योजना बनाई गई है। मेडिकल सहायता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और आपातकालीन सेवाओं को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

मेला समिति द्वारा भी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। धार्मिक वातावरण को और अधिक भव्य बनाने के लिए विशेष पूजन कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना है।

तिलक सिंदूर मंदिर का यह मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। हर वर्ष यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे शहर में उत्सव जैसा माहौल बन जाता है। प्रशासन और मेला समिति की संयुक्त तैयारियों से इस वर्ष भी मेले के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन की उम्मीद जताई जा रही है।

श्रद्धा भाव से मना बद्रीनारायण मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा वर्षगांठ समारोह

भोपाल। साउथ टीटी स्थित बद्रीनारायण मंदिर में भोपाल गढ़वाली समाज ट्रस्ट द्वारा भगवान की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा वर्षगांठ समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद बृजला सचान दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम में गढ़वाली, कुमाऊंनी, अल्मोड़ा, टिहरी, जौनसार, पिथौरागढ़ सहित विभिन्न अंचलों के प्रवासी बंधुओं की सहभागिता रही।

समारोह के दौरान बच्चों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें लोकनृत्य और भक्ति गीतों ने सभी का मन मोह लिया। भजन-कीर्तन, हवन-पूजन और विधिवत धार्मिक अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुए। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष विजय सिंह नेगी ने उद्बोधन में कहा कि बद्रीनारायण मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह उत्तराखंड की सांस्कृतिक एकता और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन भक्ति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। इस अवसर पर कुमावत समाज के अध्यक्ष सुरेश कर्नाटक, दीपिका नेगी ,प्रेरणा नेगी, सुमन सजवान ,संतोष नेगी ,विकास नेगी ,धर्मेंद्र शाह सहित कई सामाजिक बंधु एवं अतिथिगण मौजूद थे

52वें खजुराहो नृत्य समारोह 20 फरवरी से, मंदिरों की नगरी में गुंजेंगे शास्त्रीय सुर

भोपाल। अपर मुख्य सचिव संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश की पावन धरा कला और संस्कृति की सुगंध एक बार फिर विश्व पटल पर बिखरने को तैयार है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक %खजुराहो नृत्य समारोह% के 52वें संस्करण का भव्य आयोजन 20 से 26 फरवरी, 2026 तक किया जा रहा है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के सुप्रसिद्ध पश्चिमी मंदिर समूह परिसर की गौरवशाली पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला यह समारोह इस वर्ष भी अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियों, नवाचारों और नवीन आयामों के साथ कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक-परंपराओं और शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण और प्रसार के लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग का लक्ष्य इस जीवंत परंपरा को जन-जन तक पहुँचाकर मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊचाइयां प्रदान करना है। खजुराहो नृत्य समारोह वास्तव में भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा की वह जीवंत साधना है, जहाँ इतिहास, अध्यात्म और सौंदर्य के अद्भुत संगम का शाहकार होता है। भव्य मंदिरों के प्रांगण में आयोजित यह समारोह नृत्य को केवल एक मंचीय प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक पवित्र सांस्कृतिक अनुष्ठान के रूप में प्रतिष्ठित करता है। इस वर्ष समारोह की केंद्रीय थीम 'नटराज' रखी गई है, जो भारतीय नृत्य की आध्यात्मिक चेतना, लयबद्धता और सृजनात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। मंच पर भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी और मोहिनीअट्टम जैसे शास्त्रीय नृत्य रूप अपनी परंपरागत गरिमा और शास्त्रबद्धता के साथ प्रस्तुत होंगे।

76 केंद्रों पर शांतिपूर्वक शुरू हुई 12वीं बोर्ड परीक्षा, पहले दिन अंग्रेजी पेपर संपन्न

10,401 में से 10,294 विद्यार्थी हुए शामिल, 107 अनुपस्थित, नकल का एक भी मामला नहीं

नर्मदापुरम। जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) बोर्ड परीक्षा का शुभारंभ मंगलवार को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित माहौल में हुआ। पहले दिन विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किया। जिले के सभी 76 परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्षों की निगरानी में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान कहीं से भी नकल या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

जिले में पंजीकृत कुल 10,401 विद्यार्थियों में से 10,294 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 107 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 9,437 नियमित विद्यार्थियों में से 9,392 उपस्थित रहे और 45 अनुपस्थित रहे। वहीं 964 स्वाध्यायी विद्यार्थियों में से 902 परीक्षा में शामिल हुए तथा 62 अनुपस्थित रहे। जिले के पंजीकृत एक दिव्यांग परीक्षार्थी ने भी परीक्षा में भाग लेकर प्रश्नपत्र हल किया।

विकासखंडवार स्थिति देखें तो नर्मदापुरम में 3,191 में से 3,156 विद्यार्थी उपस्थित और 35 अनुपस्थित रहे। माखननगर में 919 में से 914 उपस्थित तथा 5 अनुपस्थित रहे। सोहागपुर में 1,294 में से 1,277 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 17 अनुपस्थित रहे। पिपरिया में 1,645 में से 1,633 उपस्थित तथा 12 अनुपस्थित रहे। बनखेड़ी में 992 में से 982 विद्यार्थी उपस्थित और 10 अनुपस्थित रहे। केसला में 746 में से 739 उपस्थित तथा 7 अनुपस्थित रहे। सिवनी मालवा में 1,614 में से 1,593 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 21 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। साथ ही गठित फ्लाइंग स्क्वॉड ने भी परीक्षा अवधि के दौरान निरंतर निगरानी रखी, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी।

ग्राम ऐंती में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम संपन्न

मुरैना। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जल जीवन मिशन के अंतर्गत मुरैना विकासखंड की ग्राम पंचायत ऐंती में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सदस्य श्री श्याम सुंदर ने अपने संबोधन में कहा कि अब गांव की सभी महिलाओं को नल के माध्यम से घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। किसी भी महिला को दूरस्थ स्थान से पानी भरकर लाने की आवश्यकता नहीं रही, जो अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक घर तक नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुँचे। अब महिलाओं को सिर पर गगरी रखकर दूर तक पानी लाने की कठिनाई से मुक्ति मिल रही है। ग्राम में नल-जल योजना के सुचारु संचालन पर ग्रामवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा जल जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें समुदाय की महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्राम पंचायत सरपंच ने ग्रामीण महिलाओं के साथ सिर पर कलश रखकर जल जागरूकता रैली का नेतृत्व किया। सभी उपस्थित जनों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत मुरैना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अजय वर्मा, उपखंड मुरैना के सहायक यंत्री श्री आर.पी. बाजपेयी, जिला समन्वयक श्री हाकिम सिंह वरुण, विकासखंड समन्वयक श्री राजेश सिंह धाकड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में लगाए 11 पौधे सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी पौधों की सुरक्षा

भोपाल। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए भोपाल स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, दीक्षा बिहार कॉलोनी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 11 पौधे लगाए गए, जिनमें आम, कटहल, गुलाब सहित अन्य छायादार एवं फलदार पौधे शामिल रहे। कार्यक्रम में भोपाल कांग्रेस कमेटी वार्ड क्रमांक 72 के अध्यक्ष श्री राजेश पाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ÷पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दे सकते हैं। वृक्षारोपण कार्यक्रम में रामबाबू धाकड़, केशव नामदेव, दयालाल, बृजेश प्रजापति, वीर सिंह विश्वकर्मा, मंदिर के पुजारी जी, भागवत शर्मा सहित अनेक स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे पौधों की निगरानी सुनिश्चित की जा सके और वे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

8 सहरिया परिवारों को भैंस प्रदान की गई

मुरैना। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव की अध्यक्षता में बुधवार को पहाड़गढ़ मुख्यालय पर मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय कार्यक्रम के अंतर्गत सहरिया समुदाय के हितग्राहियों को भैंस वितरित की गई। योजना के तहत प्रत्येक हितग्राही से 12 हजार 550 रुपये का अंशदान लिया गया, जो एक भैंस की कुल लागत 1 लाख 25 हजार 500 रुपये का 10 प्रतिशत है। इस इकाई में 450 किलोग्राम पशु आहार (दाना) तथा 1 हजार रुपये की औषधि सहायता भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में समाजसेवी श्री कन्हैयालाल गुर्जर, जिला कृषि स्थायी समिति एवं जनपद पंचायत पहाड़गढ़ की अध्यक्ष श्रीमती अंगूरी लाल सिंह धाकड़, जनपद उपाध्यक्ष श्री मयंक त्यागी, श्री भानू सिंह सिकरवार, उप संचालक पशुपालन डॉ. बी.के. शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुल 8 हितग्राहियों को भैंस प्रदान की गई। इनमें श्रीमती संजदी, श्रीमती लीला देवी, श्रीमती कुमारी बाई, श्री बारेलाल, श्री सिरनाम, श्री बाईसराम, श्री पप्पू एवं श्री श्यामलाल शामिल हैं, जो ग्राम खड़रिया, मरा एवं खोरी के निवासी हैं।

ओम् का शुद्ध उच्चारण मन और मस्तिष्क को गहन शांति देता है - योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल।

ओम् का सही उच्चारण एवं उसका प्रभाव - ओम् तीन ध्वनियों - अ, उ और म् - से मिलकर बना है। अ और उ के संयोग से ओ ध्वनि उत्पन्न होती है, जिसके बाद म् का उच्चारण किया जाता है। ओम् का सुंदर और शुद्ध उच्चारण होता है - ओऽम्ऽ। इसका उच्चारण लघु और दीर्घ रूपों में किया जा सकता है। नवसाधकों के लिए दीर्घ ओ और लघु म् का जप श्रेष्ठ माना गया है। अनुभवी साधकों के लिए लघु ओ और दीर्घ म् अधिक प्रभावशाली होता है। मध्यवर्ती साधकों को ओ और म् का समान उच्चारण करना चाहिए। वैज्ञानिक शोधों के अनुसार ओ के उच्चारण से मस्तिष्क में अल्फा तरंगें उत्पन्न होती हैं। म् की ध्वनि से थीटा तरंगों का संचार होता है। अल्फा और थीटा तरंगों का यह संतुलन गहरी मानसिक शांति प्रदान करता है। ओम् के उच्चारण से मन, मस्तिष्क और चेतना में सामंजस्य स्थापित होता है। उच्चारण करते समय इसका स्पंदन सुषुम्ना नाड़ी में प्रवेश करना चाहिए। समूह में ओम् का जप करने से सामूहिक चेतना जागृत होती है। मंद और धीमे स्वर में किया गया ओम् जप अधिक विश्रांति प्रदान करता है। प्रारंभ में जोर से जप करने से मन की चंचलता शांत होती है। ओम् का नियमित अभ्यास साधक को एक नवीन, सुखद और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। ओम् का शुद्ध उच्चारण मन, मस्तिष्क और चेतना को एक सूत्र में बाँधकर पूर्ण शांति का अनुभव कराता है।

महाशिवरात्रि पर दादाजी धाम में चारों प्रहर होगा अभिषेक, निकलेगी भव्य शिव बारात

भोपाल।

रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों की ओर से इस अवसर पर अनेक विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। कार्यक्रमों की शुरुआत 14 फरवरी को सायं 6 बजे से होगी। इस अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती को मेहंदी-हल्दी लगाई जाएगी। महिलाओं द्वारा मंगल गीत गाए जाएंगे तथा भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। 15 फरवरी को प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में विशेष रुद्राभिषेक संपन्न होंगे। सायं 5 बजे से भव्य शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें रथ, डीजे एवं ढोल-नगाड़ों के साथ वर्धमान सिटी एवं पटेल नगर क्षेत्र का भ्रमण किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर में भगवान शिव एवं माता पार्वती का विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की व्यवस्था रहेगी। महाशिवरात्रि की पावन रात्रि में चारों प्रहर विशेष अभिषेक किए जाएंगे। प्रथम प्रहर में चंद्र दोष निवारण हेतु दूध से अभिषेक, द्वितीय प्रहर में लक्ष्मी प्राप्ति हेतु गन्ने के रस से अभिषेक, तृतीय प्रहर में रोग नाश हेतु शहद से अभिषेक, चतुर्थ प्रहर में मोक्ष प्राप्ति हेतु गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रात्रि 8 बजे से विश्व जनकल्याण, अमन-शांति एवं सुख-समृद्धि की मंगल कामना के साथ भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक किया जाएगा।

संगीतमय शिवपुराण कथा से शिवमय हुआ ग्राम खम्हरिया कला

शहडोल। ग्राम खम्हरिया कला में 6 फरवरी दिन शुक्रवार से संगीतमय शिव महापुराण कथा महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य यजमान अमरनाथ कांति गौतम एवं पूरा परिवार है।

महायज्ञ गौतम परिवार के निज निवास में आयोजित किया जा रहा है। भक्ति के पावन पर्व पर परम विद्वान आचार्य श्री धन्वंतरी दास जी धीर समीर वृंदावन के मुखारविंद से संगीत में प्रवचनों की अमृत वर्षा कर रहे हैं। आचार्य श्री धन्वंतरि अपनी विशिष्ट शैली और संगीतमय प्रवचनों के लिए सनातन धर्म प्रेमियों के बीच विशेष पूरे देश ने एक विशेष पहचान रखते हैं।

संगीतमय शिव पुराण महायज्ञ का प्रारंभ 6 फरवरी को विशाल शोभा एवं कलश यात्रा के साथ किया गया। आगामी दिनों में क्रमश: शिव पुराण महिमा, सती जन्म कथा, श्री शिव पार्वती विवाह, कार्तिकेय एवं गणेश चरित्र, उमा संहिता एवं देवी महिमा, द्वादश ज्योतिर्लिंग कथा और 13 फरवरी को यज्ञ हवन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का समापन किया जाना है। संगीतमय शिव महापुराण कथा महायज्ञ में आचार्य श्री धन्वंतरी दास जी के द्वारा प्रस्तुत भगवान शिव पार्वती के सुंदर चरित्र और गुप्त लीलाओं की अमृत वर्षा से सभी सनातनी प्रेमी भाव विभोर होकर नाचते गाते दिख रहे हैं। भगवान भोलेनाथ की सुंदर चरित्र विवाह और उनके वर्णन को सुनकर भूत- प्रेत के साथ भगवान के प्रेमी भक्ति भी झूम उठते हैं। भगवान की विभिन्न कथाओं को वास्तविक रूप से दिखाने के लिए सुंदर जीवंत झांकियां और महाराज जी के भक्ति रस युक्त भजन उपस्थित सभी लोगों को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करता है।

निर्दोष कार्यकर्ताओं की रिहाई को लेकर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

शहडोल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के बुढ़ार आगमन के दौरान जनहित से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर उन्हें गिरफ्तार किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया गया। यह धरना जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसके उपरांत गिरफ्तार कांग्रेस कार्यकर्ताओं की अविलंब रिहाई की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था, आमजन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा गौ-तस्करी जैसे गंभीर विषयों के विरोध में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रख रहे थे। इसके बावजूद सत्ताधारी सरकार के दबाव में निर्दोष कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया, जो निंदनीय, अन्यायपूर्ण और लोकतंत्र की मूल भावना के विरुद्ध है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आज गिरफ्तार किए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी कल से आमरण अनशन सहित उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जवाबदेही शासन एवं प्रशासन की होगी।

धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष आज़ाद बहादुर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीनिवास शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दो चरणो में होगी पहली डिजिटल जनगणना, प्रथम चरण 1 मई से

शहडोल। कलेक्टर की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर ने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने और सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जनगणना अधिकारी श्री गिरीश शुक्ला ने बताया गया कि भारत की जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। जनगणना का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दुसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। मकान सूचीकरण के कार्य के लिए स्वगणना का विकल्प 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रथम चरण के पूर्व 15 दिन तक उपलब्ध रहेगा। मकान सूचीकरण के कार्य में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा शासन द्वारा अधिसूचित 33 सवाल पूछे जाएगें।

उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी, 2027 में होगा। जनसंख्या की गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी साथ ही व्यक्तियों के सम्बन्ध में अन्य विभिन्न बिन्दुओं जैसे- आयु,लिंग,वैवाहिक स्थिति, धर्म, दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता, शैक्षणिक योग्यता, आर्थिक क्रियाकलाप, प्रवास, प्रजननता विवरण इत्यादि पर जानकारी एकत्रित की जाएगी। जनगणना 2027 देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें अप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ो का संकलन किया जाएगा। जनगणना के समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सेन्सस् मैनेजमेन्ट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वगणना वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा। आगामी जनगणना वर्ष 1872 से 16वीं एवं स्वतंत्रता के बाद की 08वीं जनगणना होगी। जनगणना से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है।

जनगणना के दौरान संकलित व्यक्तिगत जानकारियाँ पूर्णत: गोपनीय होती हैं और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता है साथ ही, एकत्रित की गई व्यक्तिगत जानकारी को कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। जनगणना 2027 के प्रगणक, पर्यवेक्षक या कोई अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ओटीपी या बैंक डिटेल्स की मांग नहीं की जाएगी। जनगणना के डिजिटल टूल्स 1. आंकड़ों का संग्रहण-अ. मकान सूचीकरण ऐप (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन्स,) ब . जनगणना ऐप (पॉपूलेशन इनूमरेशन, स्व गणना पोर्टल 3. सेन्सस् मैनेजमेन्ट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल 4. हाउस लिस्टिंग ब्लाक क्रिएटर वेब मैप ऐपजनगणना 2027 के लिए मास्टर ट्रेनरों द्वारा फिल्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। फील्ड ट्रेनरों द्वारा प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को 03 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनगणना 2027 में भाग लेने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को शासन द्वारा मानदेय भी दिया जाएगा।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, डीआईओ श्री मधुकर सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनन्द राय सिन्हा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अमरनाथ सिंह, जिला योजना अधिकारी श्री अहिरवार, सहायक परियोजना अधिकारी डूडा श्रीमती मीनाक्षी शुक्ला, सहित जिला जनगणना समन्वय समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

28 फरवरी से पहले दिलाएं समाधान योजना का लाभ, एटीएंडसी हानियां घटाने पर जोर

नर्मदापुरम। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने निर्देश दिए हैं कि समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय चरण का लाभ पात्र उपभोक्ताओं तक 28 फरवरी से पूर्व अनिवार्य रूप से पहुंचाया जाए। उन्होंने फरवरी और मार्च में सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों (एटीएंडसी) को कम करने के लिए विक्रित यूनिट बढ़ाने और लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए सघन वसूली अभियान चलाने के निर्देश दिए।

नर्मदापुरम वृत्त में आयोजित समीक्षा बैठक में गर्ग ने कहा कि स्मार्ट मीटर के लाभों को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि उपभोक्ता इसकी उपयोगिता समझ सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र उपभोक्ताओं को 5 रुपये में नवीन घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कंपनी की प्राथमिकता उपभोक्ता हित हैं और यह संदेश आमजन तक पहुंचना चाहिए।

बैठक में मुख्य महाप्रबंधक (भोपाल क्षेत्र) बी.बी.एस. परिहार, नर्मदापुरम वृत्त के महाप्रबंधक श्री विनोद भदौरिया, महाप्रबंधक (आईटी) अभिषेक मार्तण्ड, महाप्रबंधक (स्काडा) श्री रामेश्वर चतुर्वेदी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली चोरी पर सख्ती और प्रदर्शन सुधार के निर्देश : प्रबंध संचालक ने बिजली चोरी प्रभावित क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाने और अनधिकृत उपयोग पर विद्युत अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। 'इन्फॉर्मर स्कीम' के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। साथ ही बिलिंग एवं कलेक्शन दक्षता बढ़ाने और कमजोर प्रदर्शन वाले वितरण केंद्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने जूनियर इंजीनियर से लेकर उप महाप्रबंधक स्तर तक सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी महीनों में प्रदर्शन में स्पष्ट सुधार दिखना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं को छोड़कर किसी भी प्रकार की अनावश्यक ट्रिपिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपकेंद्रों, 33 केवी एवं 11 केवी लाइनों के नियमित मेंटेनेंस और बार-बार फेल होने वाले वितरण ट्रांसफार्मरों की पहचान कर तकनीकी खामियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

भाजपा में विकास विरानी बने सीहोर जिला संगठन प्रभारी, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार विकास विरानी को सीहोर जिला संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। जाटव समाज संभागीय समिति के अध्यक्ष नवीन जाटव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा विकास विरानी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। स्वागत कार्यक्रम में जाटव समाज संभागीय अध्यक्ष नवीन जाटव, रामस्वरूप शुक्रवारे, सोहन वर्मा, शुभम त्यागी, जीवन कुमार जाटव, हरिदास जाटव, तरुण जाटव, समीर कुशवाह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और संगठनात्मक गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

लाखों की लागत वाला बालिका शौचालय बना लापरवाही का शिकार, एसडीएम का फूटा गुस्सा

सिरोंज। शनिवार को शासकीय माध्यमिक शाला आलमपुर का एसडीएम ने किया निरीक्षण। लटेरी क्षेत्र में शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों में अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आलमपुर शासकीय माध्यमिक शाला में निर्माणाधीन नवीन बालिका शौचालय के निरीक्षण के दौरान एसडीएम नितिन जैन ने घटिया निर्माण को लेकर संबंधित विभागीय कर्मचारियों और ठेकेदार पर कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान शौचालय निर्माण में इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई, जिससे बालिकाओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, लटेरी क्षेत्र में शिक्षा विभाग द्वारा 9 नए बालिका शौचालयों के निर्माण और 11 शौचालयों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत की गई है। हालांकि, निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि बालिका शौचालय निर्माण के लिए लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये तक की राशि स्वीकृत की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य में घटिया सामग्री और लापरवाही के आरोप सामने आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 12 बाई 24 आकार के मकान के लिए करीब 1 लाख 40 हजार रुपये और शहरी क्षेत्र में लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि में बेहतर और व्यवस्थित निर्माण संभव है, तो 12 बाई 12 के बालिका शौचालय के लिए इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण निर्माण क्यों नहीं हो पा रहा है।

एसडीएम नितिन जैन ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में लापरवाही या अनियमितता पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरे मामले ने शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं और अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई करता है।

इस्टीमेट तो ऊपर से ही बनाया गया है एस्टीमेट के मुताबिक ही कार्य कराया जाएगा और अपन दिख बाते रहेंगे।

एसडीएम लटेरी नितिन जैन

सेवानिवृत्त प्राचार्य बालेश्वर ने ली कांग्रेस संगठन में सदस्यता

नैनपुर। आपके अनुभव और नेतृत्व से कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा व ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नैनपुर के अध्यक्ष दामोदर पटेल, सरजू तिवारी, संतोष मिश्रा और अन्य पदाधिकारियों ने उनका कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया आपकी सदस्यता से संगठन को मजबूती मिलेगी। नैनपुरअखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता एवम मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवम पूर्व सांसद नकुलनाथ के निज निवास छिंदवाड़ा में ई. एफ. ए. स्कूल सिवनी से सेवानिवृत हुए प्राचार्य ,,जहरमऊ (बम्हनी बंजर)नैनपुर जिला मंडला निवासी प्रेम नारायण बारेश्वा को विगत दिवस कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर तेंदूपत्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सरजू प्रसाद तिवारी पूर्व जिला संगठन सचिव एवं पूर्व जनपद सदस्य प्रमोद झरिया पूर्व जिला संगठन मंत्री एवम पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेश तिवारी जनपद सदस्य बीरबल सिंह परते,, एन. एस. यू. आई. के युवा नेता अभिषेक शर्मा बाबू शर्मा एवम युवा नेता नवाब खान की उपस्थिति रही। कमलनाथ ने कहा, वारेश्वा कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर आपका स्वागत है। निरन्तर सक्रियता के साथ संगठन एवम जनता के बीच कार्य करें, कांग्रेस के लक्ष्यों के लिए भरसक प्रयत्न करें। जनता को कांग्रेस की नीतियों और कार्यों को बताएं युवाओं को जागृत करें, उन्हें जोड़ें।सेवानिवृत्ति प्रचार्य बारेश्वर के कांग्रेस संगठन में सदस्यता पर बधाई प्रेषित करते हैं दामोदर ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नैनपुर संतोष मिश्रा पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नैनपुर, कमल जायसवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जयंत रंगारी नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नैनपुर संत कुमार ठाकुर,रवि वैष्णव राजू वैष्णव,बीरबल परते, संतोष उइके, उमाकांत झरिया महपाल उइके,लक्ष्मण नरेटी, राजेश गुप्ता,पनकु उइके मुलायम नेटी एवं समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पं.दीनदयाल की पुण्यतिथि में प्रतिमा का अनावरण

मंडला-भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक,महान विचारक एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह उनकी पुण्यतिथि 11 फरवरी को श्रद्धा,सम्मान एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न होगा।इस अवसर पर अतिथि के रूप में वरिष्ठ नेता एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते,कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के समस्त पूर्व

जिलाध्यक्षगण,पूर्व जनप्रतिनिधिगण,मंडल एवं बूथ स्तर के समस्त पदाधिकारीगण, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि भाजपा के पितृ पुरुष पं.दीनदयाल उपाध्याय जी की यह प्रतिमा पार्टी कार्यालय में स्थापित होकर आने वाली पीढ़ियों को उनके विचारों से प्रेरित करेगी।पंडित दीनदयाल जी का जीवन राष्ट्र सेवा,सादगी,त्याग और अंत्योदय के सिद्धांतों को समर्पित रहा है।उनका एकात्म मानववाद आज भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की दिशा में मार्गदर्शक सिद्धांत है।श्री मिश्रा ने कहा प्रतिमा विशेष रूप से युवा पीढ़ी को राष्ट्रवाद,सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं अंत्योदय के विचारों से जोड़ने का कार्य करेगी।भाजपा द्वारा जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करें।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला

एजी आफिस में सरकारी वकीलों की नियुक्ति में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के निर्देश

जबलपुर। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम.एम. सुंदरेश तथा जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने मंगलवार को हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए मध्य प्रदेश शासन को निर्देश दिए हैं कि महाधिवक्ता कार्यालय में शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्तियों के दौरान ओबीसी, एससी, एसटी तथा महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सिंगल बेंच और डिवीजन बेंच द्वारा पूर्व में दिए गए आदेशों को त्रुटिपूर्ण करार दिया है। इससे पहले हाईकोर्ट ने एसोसिएशन की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि सरकारी वकील का पद लोक सेवक की श्रेणी में नहीं आता है, लिहाजा इसमें आरक्षण या विशेष प्रतिनिधित्व की आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए विविधता और प्रतिनिधित्व को संवैधानिक मूल्यों के आधार पर अनिवार्य माना है।ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने वर्ष 2022 में हाईकोर्ट के फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। इस मामलें में एसोसिएशन की ओर से जबलपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, वरुण ठाकुर एवं विनायक शाह ने पैरवी की।

एसटी, एससी, ओबीसी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में

यूजीसी के समर्थन में राज्यपाल के नाम सौंपा गया ज्ञापन

छिंदवाड़ा। एसटी एससी ओबीसी संयुक्त मोर्चा ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर यूजीसी बिल को शीघ्र लागू करने की मांग की जिससे कि इस बिल के माध्यम से एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक और बहुजन समाज के बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके। ज्ञापन में अवगत कराया कि देश के बड़े महाविद्यालयों और यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी, ओबीसी और माइनॉरिटी के छात्रों के साथ जातिगत भेदभाव किया जाता है, जिसके कारण उन्हें अपनी जान गवानी पड़ती है। उन्होंने रोहित वेमुला और पायल कल्की जैसे छात्रों का उदाहरण दिया, जिन्होंने जातिगत भेदभाव के कारण अपनी जान

गंवाईहै यूजीसी बिल को लागू करने से इस भेदभाव को समाप्त किया जा सकता है और बहुजन समाज के बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा है कि अगर इस बिल को जल्द लागू नहीं किया गया, तो जय भीम सेवा सामाजिक संगठन एवं उनकी टीम उग्र आंदोलन करेगी

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से राहत की उम्मीद, कई सवाल अब भी बाकी

पिछले कई महीने से अमेरिका की ओर से लागू शुल्क नीति के कारण जहां दुनिया भर में व्यापार युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो रही थी, वहीं भारत के सामने मुख्य चुनौती अपने लिए बेहतर विकल्प तलाश करने की थी। अब सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा, उससे यही लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच परस्पर हित पर आधारित एक समझौता आकार ले सकता है। ट्रंप ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका-भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शुल्क को पचास फीसद से घटा कर अठारह फीसद किया जाएगा। दूसरी ओर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। दोनों देशों की ओर से ऐसी घोषणा को शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद अमेरिका और भारत की नीतियों में अब एक बड़े बदलाव का सूचक माना जा रहा है। हालांकि यह साफ होना बाकी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अंतिम तौर पर किस स्वरूप में सामने आता है और उसमें बनी सहमति कहां तक परस्पर हित सुनिश्चित करती है। मगर फिलहाल सामने आई खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने जिस तरह शुल्क में कमी करने की बात कही है, उसके अमल में आने पर भारत को राहत मिल सकती है। दरअसल, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर अमेरिकी नीतियों का असर पड़ना शुरू हो चुका था। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका की ओर से जरूरत से ज्यादा सख्त शर्तों की वजह से समझौते के लिए सहमति देने को लेकर सावधानी बरती और इससे उपजी मुश्किल का विकल्प तलाशने की कोशिश जारी रखी। यही वजह है कि अमेरिका की ओर से शुल्क को पचास फीसद कर देने की घोषणा के बाद भी भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी। यों ट्रंप ने दावा किया है कि अब भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी तेल खरीद पर सहमति जताई है। हालांकि भारत और रूस के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने के सवाल पर भारत क्या रुख अपनाता है। इसके अलावा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाने का एक बड़ा कारण यह था कि भारत कृषि क्षेत्र को पूरी तरह खोलने को लेकर राजी नहीं था। इस मसले पर देश भर में सवाल उठाए गए थे। अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि व्यापार समझौते के अंतिम रूप में भारत कृषि जैसे सबसे संवेदनशील मुद्दे पर क्या हासिल करता है, लेकिन किसानों की ओर से कई तरह की चिंताएं सामने आई हैं।

खेमचंद राज्य के नए सीएमः क्या सरकार की बहाली से बदलेगी मणिपुर की तस्वीर?

-प्रभाकर मणि तिवारी

बीते करीब 34 महीने से मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी जातीय हिंसा से जूझ रहे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक साल के राष्ट्रपति शासन के बाद नए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बहाल हो गई है। लेकिन सवाल उठ रहा है कि क्या इससे जमीनी परिस्थिति में कोई खास सुधार आएगा? सरकार के गठन के बाद बदलते घटनाक्रम से तो यह उम्मीद बेईमानी ही लगती है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सत्ता का संतुलन साधने की कवायद में कुकी और नागा समुदाय के एक विधायक को उप-मुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में शामिल करने का फैसला किया था। लेकिन राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के तौर पर कुकी समुदाय की विधायक नेम्चा किपगेन ने जिस तरह दिल्ली के मणिपुर भवन से ही वर्चुअल तरीके से शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया उससे इस बात के संकेत मिलने लगे थे कि अंदरखाने सब कुछ ठीक नहीं है।

आखिर वही हुआ जिसका डर था। कुकी-जो समुदाय ने अगले दिन से ही इसका विरोध शुरू कर दिया। राज्य के कई इलाकों में नए सिरे से हिंसा हुई और कुकी संगठनों ने बंद बुलाया। हालांकि नेम्चा किपगेन ने तमाम समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझाने की जरूरत पर जोर दिया है। लेकिन कुकी समुदाय अपने इलाके में स्वायत्त प्रशासन की पुरानी मांग पर अड़ा है।

यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि तीन मई, 2023 से ही राज्य में दोनों समुदायों के बीच लंबे समय से जारी हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों बेघर हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 60 हजार से ज्यादा लोग अब भी विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे हैं।

अब नई सरकार की सबसे बड़ी चुनौती मैतेई और कुकी समुदाय के बीच आपसी भरोसा बहाल करना और राहत शिविरों में रहने वालों को उनके घरों तक लौटाना है। लेकिन कुकी संगठनों के रवैए को देखते हुए सरकार की राह आसान नहीं लगती। राज्य की 60-सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी के 37 विधायक हैं।

इनमें से सात कुकी समुदाय के हैं। कुकी समुदाय के कुल 10 विधायक हैं। यह राज्य घाटी और पर्वतीय इलाके में बंटा है। मणिपुर घाटी में विधानसभा की 40 सीटें हैं और कुकी-नागा बहुल पर्वतीय इलाके में बीस सीटें।

दरअसल, राज्य में सरकार की बहाली भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और केंद्र सरकार के लिए मजबूरी थी। पहली बात यह थी कि अगले सप्ताह राष्ट्रपति शासन को एक साल पूरे होने वाले थे। उसे और बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन कानून पारित करना पड़ता। इसके अलावा अगले साल राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति शासन में चुनाव होने की स्थिति में भाजपा के हाथों से सत्ता निकलने का खतरा था। एनडीए के विधायक बीते दो महीने से केंद्र पर राज्य सरकार को बहाल करने के लिए दबाव बना रहे थे। उनकी दलील थी कि राज्य की परिस्थिति के कारण ही लोकसभा में पार्टी को दोनों सीटें गंवानी पड़ी थी। बीते महीने से ही राज्य के विभिन्न इलाकों में सेव मणिपुर रैलियों का आयोजन किया जा रहा था।

विपक्षी कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा ने अपने सियासी हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य में सरकार तो बहाल कर दी है। लेकिन कुकी समुदाय को भरोसा में लिए बिना की गई इस कवायद ने समस्या को और उलझा दिया है। नतीजा सामने हैं। शपथ ग्रहण के अगले दिन से ही महिला उप-मुख्यमंत्री के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सरकारी बहाली की कवायद में कुकी समुदाय की अलग स्वायत्त या केंद्रशासित प्रदेश की मांग पर न तो कोई चर्चा की गई और न ही कुकी संगठनों से इस पर बातचीत की गई। उनके मुताबिक, केंद्र को इस मुद्दे पर कुकी संगठनों को साथ लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए था। विश्लेषकों की राय में राज्य में हिंसा में भले कुछ कमी आई है, जमीनी तस्वीर में खास बदलाव नहीं आया है। अब भी मैतेई और कुकी समुदाय के लोग एक-दूसरे के इलाके में जाने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। इस खाई को पाटने के साथ ही लोगों में भरोसा पैदा किए बिना राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली दूर की कौड़ी ही लगती है।

निमाड़ का नर्मदालय शिक्षा और स्वावलंबन का मंदिर

-विवेक कुमार पाठक

मन समर्पित तन समर्पित और ये जीवन समर्पित। चाहता हूं देश की धरती तुझे कुछ और भी दूं। कवि रामावतार त्यागी की ये पंक्तियां नासिक की भारती ठाकुर दीदी के व्यक्तित्व को चरितार्थ करती हैं। वे नर्मदा परिक्रमा करती हुई निमाड़ पहुंची थीं और फिर मां नर्मदा से मिली आत्मप्रेरणा के बाद यहीं की होकर रह गयीं। पिछले बीस सालों में उन्होंने परोपकार शब्द को पल पल जिया है और भील भिलाला आदिवासी बच्चों की शिक्षा दीक्षा और स्वरोजगार के लिए मप्र के खरगोन जिले में लेपा गांव की धरती पर नर्मदालय जैसा प्रेरक संस्थान खड़ा कर दिया है।

यह यात्रा संकल्प, समर्पण और उच्च परोपकारी चेतना की सफलता की है। उन्होंने 2005 में नर्मदा परिक्रमा की थी और तब उनका नर्मदा परिक्रमा मार्ग में ही प्रेरणा जगी थी कि वे सेवानिवृत्त होकर जनजातीय बच्चों की शिक्षा के लिए अपना बाकी जीवन समर्पित करेंगी। अपनी एकमात्र पेंशन के भरोसे वे मंडलेश्वर में अपने नर्मदा परिक्रमा में मिले परिचितों के बीच पहुंची और उसके बाद जो उन्होंने पिछले दो दशक में किया वो खरगोन कसरावद क्षेत्र का गौरव बन गया है। यहां उन्होंने गांव गांव पैदल पैदल चलते हुए छोटे छोटे समूहों में बच्चों को पढ़ाने की जो मशाल जलाई उसके बाद तो लोग जुड़ते गए और प्रकल्प खड़ा होता गया। कसरावद का लेपा गांव में नर्मदालय शिक्षा, स्वरोजगार और स्वाबलंबन का तीर्थ है। यहां राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तिथि को अयोध्या जैसा ही राममंदिर तीर्थ साकार हुआ था एवं बीते माह ही रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और मां शारदा की भव्य प्रतिमाओं का श्रीरामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन में लोकर्पण हुआ है। नासिक की भारती दीदी के नर्मदालय की कहानी पर मराठी भाषी लेखिका शुभदा मराठे ने एक विचारोत्तेजक अनुभूतियों पर कहानी नर्मदालय की नाम से पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक को पढ़कर आप जानेंगे कि किस प्रकार भारती ठाकुर दीदी निमाड़ की धरा पर नर्मदा किनारे जंगल में रहने वाले बच्चों के बीच पहुंची। उनके बीच कुप्रथाओं, परिवारों में व्यसनों का सामना किया, लोगां का विरोध भी देखा मगर स्कूल में कभी कभी जाने वाले बच्चों को असल शिक्षा की राह दिखाई साथ ही पूरे महेश्वर, मंडलेश्वर, खरगोन कसरावद क्षेत्र को जनजातीय शिक्षा का आदर्श केन्द्र स्थापित किया। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने सटीक लिखा है कि महाराष्ट्र के नासिक में सरकारी नौकरी करने वाली एक महिला एक नवीन अनुभव लेने की इच्छा से सहेली के साथ नर्मदा परिक्रमा पर निकलती है और परिक्रमा पूरी करते ही वह मां नर्मदा की बेटी हो जाती है। नर्मदा की बेटी बनकर भारती ठाकुर दीदी ने भूख, गरीबी, अशिक्षा और अज्ञानता के दलदल में फंसे जनजातीय बचपन को सुसंस्कारित और शिक्षित किया है व उन्हें निमाड़ के गांव गांव की स्थानीय आवश्यकता अनुसार स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बना रही हैं। लेपा गांव का नर्मदालय भारती दीदी की अंर्तचेतना को दिशा देने वाली सखी मां नर्मदा ने ही साकार कराया है। अब दीदी प्रवाजिका विशुद्धानंदा के नाम से हम सबकी मार्गदर्शक एवं परोपकारी जीवन जीना सिखाने वाली प्रेरणा हैं। श

नर्मदालय में गरीब जनजातीय परिवारों के 250 से अधिक बच्चों के लिए आवासीय शिक्षा दी जा रही है। बच्चों को पढ़ाने के साथ ग्रामीण जीवन की आवश्यकता अनुसार हुनरमंद बनाया जा रहा है। यहां जन सहयोग से कई लैब स्थापित की गई हैं। जहां बच्चे पढ़ाई के साथ फर्नीचर, लकड़ी और फायबर पर नक्काशी, कृषि यंत्रों का सुधार व चालन सहित कई तरह के कौशल सीख रहे हैं।

हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति साधने के प्रयास में विपक्ष

दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी । इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है।राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक -पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।

-मृत्युंजय दीक्षित

पहली घटना वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के नवीनीकरण के लिए पुरानी प्रतिमाओं तथा कुछ छोटे मंदिरो पर बुलडोजर चलाने की थी जो बाद में फर्जी निकली । इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के उपरान्त एआई वीडियो के आधार पर मंदिर तोड़े जाने की अफवाहें फैलाकर राजनैतिक रोटियां सेंकने वाले लोगों जिनमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा बिहार के सांसद पप्पू यादव शामिल हैं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके बाद भी इस विषय पर स्थानीय स्तर पर राजनीति की जा रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है।

दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी । इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है।

राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक -पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं । अविमुक्तेश्वरानंद प्राय: अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था । एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नही हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। जब आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाक के साथ सिंधु जल समझौता निलंबित किया तब उन्होंने कहा था कि यह काम करने के लिए भारत को कम से कम 20 साल लग जाएंगे, इन्होंने वक्फ संशोधन बिल को सौगात -ए -मोदी कहा था । यह काशी कारिडोर का भी विरोध कर चुके हैं । यह शंकराचार्य अभी तक अयोध्या दर्शन करने नहीं गए हैं। यह हिंदू समाज को विभाजित करने वाली राजनैतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर उनके शिकार हो गए हैं।

जिन लोगों के मुंह में तमिलनाडु के द्रमुक नेता सनातन की तुलना डेंगू ,मलेरिया से तुलना उसके उन्मूलन जैसी बातों पर ताला लग जाता है वो भी शंकराचार्य के समर्थन में झंडा उठाए हैं। आज वो लोग अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में खड़े हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया था क्योंकि उस जज ने हिन्दू पक्ष को दीपक जलाने की अनुमति दे दी थी। आज वो हिन्दू सनातन की दुहाई दे रहे हैं जिनहें गाय के गोबर से बदबू आती है। बांग्लादेश में निर्दोष हिन्दुओं की हत्याएं पर पूरा इंडी गठबंधन मौन हो गया। सनातन को अपमानित करने में समाजवदियों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यह समाजवादी रामचिरत मानस व गीता को अपमानित करते हैं ,इनके विधायक व कार्यकर्ता पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को फाड़ते और जलाते हैं। आज यही लोग शंकराचार्य की आड़ लेकर हिंदू समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं। प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया था जिससे समाजवादी व कांग्रेसी काफी परेशान थे कि अगर कहीं हिन्दू पूरी तरह से एकजुट हो गए तो उनकी राजनीति समाप्त हो जाएगी, इसलिए प्रयागराज की धरती पर ही हिन्दू समाज को बांटने की रणनीति बनाई गई और पीडीए की राजनीति करने वाले लोगों ने माघ मेला के पवित्र अवसर को चुना। आम जनमानस की स्मृति बहुत कमजोर होती है और उसे जातीय आधार पर विभाजित किया जा सकता है। इन सभी दलों को यह भी पता है कि जब तक ब्राह्मण समाज व समस्त सवर्ण समाज को विभाजित और भाजपा के प्रति उनके मन में निराशा के भाव नही पनपा जाते हैं तब तक भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ उत्तर प्रदेश में रोकना असंभव है।

समाजवादी पार्टी को पता है कि जब तक हिन्दू धर्म को किसी बड़े विवाद के माध्यम से विभाजित नहीं किया जाएगा तब तक उनका पीडीए शक्तिहीन रहेगा । यही कारण हैं कि जब टीवी चैनलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर चर्चा हो रही थी तब शंकराचार्य की आड़ हिन्दू धर्म में दरार डालने वाली बहस हो रही है। विपक्षी दलों के प्रवक्ता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना बाबर और औरंगजेब जैसे मुगल शासकों से कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जितना सम्मान संतो और शंकराचार्यों का किया है उतना किसी ने नहीं किया है।

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफलेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है। ऐसे में सर्दियों के दिनों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए हल्दी वाले दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। हल्दी वाला दूध सर्दी-जुकाम और संक्रामक रोगों से बचाव में असरदार होता है। लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

जी हां, आपको बता दें कि सर्दियों में अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का खूब सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउडस के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

डीटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है

पानी शरीर में डीटॉक्स करने में बेहद कारगर है, जिससे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। दिन भर हमारे शरीर में पर्यावरण एवं भोजन आदि के माध्यम से कई तरह के टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं। मल, मूत्र एवं पसीने के जरिए इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकाला जाता है, इसे डीटॉक्सिफिकेशन कहते हैं। पसीना आने से शरीर का तापमान भी सामान्य बना रहता है। गर्मियों में अक्सर हम ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं, हम एसी में रहते हैं, ऐसे में दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। वे लोग जो कम पानी पीते हैं, उनका यूरीन सैचुरेटेट होता है और कई बार इसमें स्टोन बनने की संभावना भी हो जाती है। यूरीन को डाइल्यूट करने और साथ ही स्टूल्स (मल) को सामान्य बनाए रखने के लिए भी उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, रक्त की सामान्य संरचना को बनाए रखने के लिए भी पानी का सेवन सही मात्रा में करना जरूरी है। रक्त शरीर के सभी अंगों तक पोषक तत्व पहुंचाता है। यह शरीर की उर्जा बढ़ाता है और मैटाबोलिक रेट बढ़ाकर मानसिक थकान दूर करता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलोजी एण्ड मैटाबोलिज्म द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार 500 एमएल पानी पीने से मैटाबोलिज्म की दर 30 फीसदी तक बढ़ जाती है। कुछ शहरों में खारा पानी होता है, ऐसे स्थानों पर पानी को साफ करके पीना चाहिए। पानी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे 10 मिनट के उबालें। जहां पानी उबालना संभव न हो, वहां उपभोक्ता का जागरुक होना जरूरी है। उन्हें पानी की गुणवत्ता की जांच कर सुनिश्चित करना चाहिए वे सुरक्षित पेयजल का ही सेवन करें। इससे आप स्वस्थ, हाइड्रेटेड रहेंगे और अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकेंगे।

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका:

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

पाचन में मदद करता है और मुख के स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

आयुर्वेद के अनुसार सर्दियों में इन वजहों से खाना चाहिए तिल-गुड़

आयुर्वेद सेहतमंद रहने के लिए मौसम, शरीर की प्रकृति और उम्र के हिसाब से खान-पान का चुनाव करने पर जोर देता है। गर्मियों में शरीर को ठंडक देने वाली चीजें खानी चाहिए। वहीं, सर्दियों में उन चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए, जो शरीर को अंदर से गर्मी दे सकें। सर्दियों में तिल-गुड़ खाना आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है। इन दोनों की तासीर गर्म होती है और आयुर्वेद के अनुसार, यह सर्दियों में स्वास्थ्य को कई तरीकों से लाभ पहुंचा सकते हैं। सर्दी के समय पर बनने वाली गजक और लड्डुओं में इन दोनों चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों चीजें टेस्टी ही नहीं, बल्कि हेल्दी भी होती हैं। सर्दियों में तिल-गुड़ क्यों खाना चाहिए, इस बारे में हमने आयुर्वेदिक डॉक्टर से बात की।

सर्दियों में तिल-गुड़ खाने के फायदे

- तिल और गुड़ दोनों की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्माहट पहुंचाते हैं।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दियों में इन दोनों चीजों को साथ में खाने के कई फायदे हैं।
- खासकर, मकर संक्रान्ति के आस-पास तिल-गुड़ का सेवन सेहत के लिहाज से भी अच्छा है।
- इस समय पर सर्द हवाएं चलती हैं लेकिन साथ ही सूरज की किरणों में भी थोड़ी तेजी आने लगती है। इसकी वजह से शरीर में वात दोष बढ़ने लगता है और स्किन ड्राई हो जाती है।
- इसे दूर करने के लिए तिल और गुड़ खाना फायदेमंद होता है।
- तिल और गुड़ में पाए जाने वाले थर्मोजेनिक गुणों की वजह से ये शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं।
- तिल के बीज बालों की ग्रोथ और स्किन हेल्थ को सुधारते हैं।
- इनमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है।
- गुड़ में मौजूद डाइजेस्टिव एंजाइम्स, तिल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स को अब्जॉर्ब करना आसान बनाते हैं क्योंकि तिल के बीजों को अकेले पचा पाना मुश्किल होता है।
- तिल के बीजों में मैग्नीशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इनसे बीपी कंट्रोल में रहता है और दिल भी सेहतमंद रहता है।
- तिल में बीजों में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम की वजह से ये हड्डियों के लिए बहुत अच्छे होते हैं और सर्दियों में तिल-गुड़ खाने से जोड़ों में दर्द से बचा जा सकता है।
- इन दोनों से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।
- गुड़ खून की कमी को भी दूर करता है। जिन महिलाओं को एनीमिया है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।
- सर्दियों में तिल-गुड़ को डाइट में शामिल कर आप स्वाद के साथ सेहत को भी बेहतर बना सकते हैं।

न जिम-न डाइटिंग, सिर्फ 1 चुटकी हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

खनिज अधिकारी की मिली भगत से जिले भर में चल रहा अवैध उत्खनन

पन्ना। पन्ना जिले में विगत 6 वर्ष से जमे खनिज अधिकारी रवि पटेल की मिली भगत से हर क्षेत्र में खनिज का अवैध कारोबार चल रहा है तथा शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व की हानि हो रही है अनेक ठेकेदार एवं फर्मों पर करोड़ों रुपए का जुर्माना भी हुआ है लेकिन उक्त जुर्माना की राशि शासन के खजाने में जमा नहीं हुई है रेत पत्थर पटिया मुरम गिट्टी हीरा की चाल सहित अनेक प्रकार की खनिज संपदा खनन माफियाओं द्वारा लूटी जा रही है लोगों द्वारा लगातार शिकायत करने एवं समाचार पत्रों में समाचार निकालने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। अजयगढ़ क्षेत्र में अवैध उत्खनन रेलवे विभाग के ठेकेदार द्वारा व्यापक स्तर पर हीरा की चाल ग्राम पंचायत बहेरा के पास निकल जा रही है इसी प्रकार अनेक ठेकेदारों द्वारा सड़क निर्माण कार्य जा रहे हैं लेकिन मोरम मिट्टी खुदाई की अनुमति नहीं दी जा रही है मनमाने ढंग से अवैधउत्खनन चल रहा है विगत बरसों पूर्व रूंज नहीं निर्माण करने वाले ठेकेदार पर करोड़ों रुपए का जुर्माना लगाया था तथा चल बरामद की थी लेकिन आज तक जुर्माना की राशि जमा नहीं हुई और ना ही चाल की नीलामी हुई है। इसी प्रकार साइन नगर तहसील अंतर्गत कचौरी के पास रामराज कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा भारी अवैध स्थान किया गया था उसे पर भी जुर्माना लगाया था लेकिन उसकी राशि भी जमा नहीं हुई है। इसी तरह अजयगढ़ तहसील अंतर्गत वीर में तत्कालीन एसडीएम स गौतम में रेप से भर 15 ट्रक जप्त किए थे तथा उक्त रेत पर लाखों का जुर्माना लगाया था लेकिन उक्त जुर्माना भी जमा नहीं हुआ और ना ही रेत की नीलामी हुई पहाड़ी खेड़ा क्षेत्र में अनेक सड़क निर्माण कंपनियों द्वारा अवैध उत्खनन बिना स्वीकृति की किया जा रहा है शिकायत होने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हो रही है उक्त सभी मामलों को लेकर यह स्पष्ट हो गया है कि 6 वर्षों से पन्ना में जमे खनिज अधिकारी रवि पटेल की सहमति से तथा मिली भगत से यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है श्री पटेल को स्थानीय सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों का संरक्षण प्राप्त है क्योंकि कोई भी अधिकारी 3 वर्ष से अधिक एक जिले में नहीं रह सकता है लेकिन श्री पटेल लगातार 6 वर्षों से पन्ना में जमे हुए हैं तथा अवैध उत्खनन का कारोबार करवा रहे हैं स्थानीय लोगों ने श्री पटेल को पन्ना जिले से तत्काल हटाए जाने तथा अवैध उत्खनन के प्रकरणों की जांच कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का हुआ समापन

पन्ना। श्रीराम शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण विकास समाजोत्थान समिति पन्ना द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में दिव्यांगता के क्षेत्र में सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन 06 फरवरी से 08 फरवरी 2026 के बीच किया गया, दिनांक 08/02/2026 को स्थानीय स्तर पर त्रिदिवसीय कार्यशाला का समापन किया गया इस तीन दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश सिंह , तरुण पाठक एवं विशिष्ट अतिथि पुष्पेंद्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती पूजन के साथ शुभारंभ किया गया तत्पश्चात दिव्यांगों को शासन की ओर से मिलने वाली सुविधाओं से संबंधित जानकारीयो को बताया गया एवं तृतीय दिवस के प्रथम रिसोर्स पर्सन रूपेंद्र पटेल ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

यदुवंश के संहार और मार्कण्डेय की कथा सुन भावुक हुए श्रद्धालु

पन्ना। स्थानीय केंद्रीय विद्यालय के पीछे, श्रीमती सुनीता पाण्डेय एवं राज कुमार पाण्डेय के निवास स्थान पर आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार, 8 फरवरी 2026 को मंगलमय समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन विख्यात कथा व्यास राम दुलारे पाठक जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में सराबोर कर दिया।

कथा व्यास ने अंतिम दिवस के प्रसंगों का सजीव वर्णन करते हुए भक्तों को जीवन का सार समझाया उद्धव संवाद एवं सुदामा चरित्र पाठक जी ने भगवान कृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के प्रेम का वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रोताओं की आँखें छलक आईं। उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता और निस्वार्थ भक्ति ही ईश्वर को प्राप्त करने का एकमात्र मार्ग है।

भागवत के अंतिम अध्यायों में यदुवंश के संहार की कथा सुनाते हुए व्यास जी ने वैराग्य और समय की गतिशीलता पर प्रकाश डाला।

कथा के अंत में मार्कण्डेय ऋषि के तप और भगवान की माया के दर्शन की विस्तार से चर्चा की गई। सात दिनों तक चली इस ज्ञान गंगा के समापन के बाद, आज 9 फरवरी 2026 को कार्यक्रम की पूर्णाहुति होगी।

हवन-पूजन, विशाल यज्ञ एवं भव्य भंडारा। हो रहा है जिसमें मुख्य यजमान राज कुमार पाण्डेय ने पन्ना नगर के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर प्रसाद ग्रहण करें और पुण्य के भागीदार बनें।।

अनुसूचित जाति विभाग के जिला प्रभारी हेमंत लारिया ने ली कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

पन्ना। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग पन्ना के जिला प्रभारी हेमंत लारिया एक दिवसीय प्रवास पर पन्ना पहुंचे उन्होंने स्थानीय जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की बैठक ली उक्त बैठक अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष जीतेंद्र सिंह जाटव की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा श्री लारिया का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया तत्पश्चात उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत करने की दिशा में एकजुट होकर आम जनता की समस्याओं को लेकर प्रदेश की जन विरोधी सरकार की नीतियों का विरोध करने तथा आम जनता की समस्याओं का निराकरण करने में सक्रिय रहने के लिए कहा गया। इस दौरान अनेक लोग उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से पार्षद दल के नेता रेहान मोहम्मद अक्षय तिवारी भूपेंद्र सिंह परमार रामदास जाटव सोनू यादव मनोज गुप्ता कदीर खान अक्षय जैन विनोद लोधी अखिलेश श्रीवास्तव सुनील कुमार रामगोपाल अहिरवार लालू अहिरवार आदि।

भाजपा नेता सतानन्द गौतम सागर जिले के प्रभारी नियुक्त

पन्ना। वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व भाजपा अध्यक्ष तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सता नंद गौतम को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए भारतीय जनता पार्टी सागर जिला ग्रामीण का प्रभारी नियुक्त किया है उनकी नियुक्ति पर पन्ना जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं पदाधिकारी ईष्ट मित्रों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामनाकी है।

दक्षिण पन्ना के सभी अनुभूति नेचर कैंप्स का सफल समापन

पन्ना के असली हीरे पहल अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय की छात्रा कात्यायनी सोनी को किया गया सम्मानित

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के शाहनगर वनपरिक्षेत्र अंतर्गत सिद्ध स्थल बाला जी टिकरिया में अनुभूति नेचर कैंप के दूसरे शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसके साथ ही दक्षिण पन्ना में आयोजित सभी अनुभूति कैंप्स का समापन हुआ। कार्यक्रम में दक्षिण पन्ना वनमण्डल अधिकारी अनुपम शर्मा, पन्ना जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, प्रशिक्षु आईएफएस पंकज चौधरी, उपवनमण्डलाधिकारी कल्दा नितिन कुमार निगम, वनपरिक्षेत्र अधिकारी राजुल कटारे, जिला वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष रमेश सिंह राठौर सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। शासकीय हाई स्कूल रोहनिया के लगभग 125 विद्यार्थियों ने मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव और हम हैं धरती के दूत थीम पर आयोजित गतिविधियों में भाग लिया। टिकरिया बाला जी क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रात: पक्षी दर्शन कराया गया तथा मास्टर ट्रेनर अजय चौरसिया और वनकर्मियों द्वारा जैव विविधता, वनस्पतियों, लघु वनोपज, औषधीय पौधों, फूड चेन और इकोसिस्टम के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने जंगल में विभिन्न वृक्षों, कीट-पतंगों और जीव-जंतुओं को प्रत्यक्ष देखकर प्रकृति को करीब से समझा। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण एवं वन्यप्राणी संरक्षण से संबंधित क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पूरे शिविर को प्लास्टिक फ्री थीम पर आयोजित किया गया, जहां बच्चों को दोना-पत्तल में भोजन कराया गया और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ नीम कंघी, स्ट्रिंग बैग, बांस टूथब्रश तथा विंध्य हर्बल के प्राकृतिक उत्पादों (शहद, ग्रोविट , आंवला कैंडी) की अनुभूति किट वितरित किए गए। इस दौरान डीएफओ अनुपम शर्मा और सीईओ उमराव सिंह मरावी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए जंगलों की सुरक्षा, हरे पेड़ों की कटाई रोकने और वन्यजीव संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।

मैहर में जनगणना 2027 की तैयारी शुरू, जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मैहर। भारत सरकार एवं प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनगणना 2027 की प्रारंभिक तैयारियां मैहर जिले में शुरू कर दी गई हैं। जनगणना दो चरणों में सम्पन्न होगी। प्रथम चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक तथा द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा।

जनगणना 2027 के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी मैहर श्रीमती रानी बाटड द्वारा जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति की संपन्न पहली बैठक में अनुविभागीय जनगणना अधिकारी और चार्ज जनगणना अधिकारियों को जनगणना के कार्यक्रम और विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, एसडीएम अमरपाटन डॉ. आरती सिंह, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल सहित चार्ज जनगणना अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना के लिए गठित समन्वय समिति में अपर कलेक्टर मैहर को जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला योजना अधिकारी एवं जिला सांख्यिकी अधिकारी को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी बनाया गया है। अनुविभागीय स्तर पर अमरपाटन, मैहर एवं रामनगर के एसडीएम को संबंधित अनुभागों के लिए अनुविभागीय जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है। तहसीलदारों को चार्ज जनगणना अधिकारी तथा नायब तहसीलदारों को अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त नगर पालिका परिषद मैहर, अमरपाटन एवं रामनगर के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने नगरीय क्षेत्रों के लिए चार्ज जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एसआईआर कार्य में लापरवाही पर बीएलओ निलंबित

सतना। फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के दौरान लापरवाही बरतने पर मतदान केन्द्र क्रमांक 30 बरहा के बीएलओ भरतलाल आरख को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 61 चित्रकूट अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक भरतलाल आरख को बीएलओ नियुक्त किया गया था। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्रतिवेदन में बताया गया कि संबंधित बीएलओ द्वारा एसआईआर कार्य नहीं किया जा रहा था, न ही तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं को नोटिस तामील कराई जा रही थी। साथ ही वरिष्ठ कार्यालय के फोन न उठाना एवं बुलाए जाने पर भी उपस्थित न होना पाया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेशानुसार निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) के तहत बीएलओ भरतलाल आरख को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय मझगवां निर्धारित किया गया है। इस दौरान बीएलओ भरतलाल आरख को मूलभूत नियम 53 के अंतर्गत नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक आज

सतना। वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत एमपी वन मित्र पोर्टल पर जिला स्तर पर लंबित दावों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक 10 फरवरी को सायं 5 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बैठक में संबंधित अधिकारियों तथा समिति के सदस्यों से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा शुरू

सतना। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षा 10 फरवरी से आरंभ हो रही है। हायर सेकण्डरी की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रात: 8 बजे एवं परीक्षा कक्ष में प्रात: 8.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रात: 8.45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व अर्थात प्रात: 8.50 बजे उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व अर्थात प्रात: 8.55 बजे प्रश्न-पत्र दिए जाएंगे। प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया जायेगा। प्रवेश पत्र में भी फोटो लगाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी यथा संभव पेयजल की बोतल स्वयं लेकर आएं। कक्षा 12वीं के नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की परीक्षा का प्रथम प्रश्न पत्र मंगलवार 10 फरवरी को होगा। इस दिन अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा। शुक्रवार 13 फरवरी को एनिमल हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एवं फिशरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, अर्थशास्त्र तथा फिजिक्स का प्रश्न पत्र होगा। शनिवार 14 फरवरी को बायोटेक्नॉलाजी, गायन वादन एवं तबला पखावज का प्रश्नपत्र होगा। सोमवार 16 फरवरी को संस्कृत का प्रश्नपत्र तथा मंगलवार 17 फरवरी को ड्राइंग एण्ड डिजाइन का प्रश्न पत्र होगा। बुधवार 18 फरवरी को केमिस्ट्री, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एलिमेंट आफ साइंस एण्ड मेथमेटिक्स यूजफुल फार एग्रीकल्चर, ड्राइंग एण्ड पेंटिंग और गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान के प्रश्न पत्र की परीक्षा होगी। गुरूवार 19 फरवरी को मनोविज्ञान का प्रश्नपत्र होगा। शुक्रवार 20 फरवरी को आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस, नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेम वर्क के सभी विषय और शारीरिक शिक्षा का प्रश्नपत्र होगा। शनिवार 21 फरवरी को कृषि, होम साइंस (कला समूह) तथा बुककीपिंग एण्ड एकाउंटेन्सी का प्रश्न पत्र होगा। सोमवार 23 फरवरी को बॉयोलाजी तथा बुधवार 25 फरवरी को गणित का प्रश्नपत्र होगा। गुरूवार 26 फरवरी को राजनीति शास्त्र एवं 27 फरवरी को इन्फॉरमेटिक प्रेक्टिसेस का प्रश्नपत्र होगा।

सोमवार 2 मार्च को समाजशास्त्र का प्रश्नपत्र होगा। गुरूवार 5 मार्च को भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एण्ड हार्टिकल्चर, स्टिल लाईफ एण्ड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य का प्रश्नपत्र होगा। शुक्रवार 6 मार्च को उर्दू तथा मराठी एवं अंतिम प्रश्नपत्र शनिवार 7 मार्च को हिंदी का होगा।

प्रशासन की मुस्तैदी से रुका बाल विवाह, 16 वर्षीय बालिका को मिली नई जिंदगी

सतना। सतना जिले के नागौद विकासखण्ड में प्रशासन की सक्रियता से एक नाबालिग लड़की के होने जा रहे विवाह को ऐन वक्त पर रोक दिया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098 से मिली सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने इस सामाजिक बुराई को होने से बचा लिया। परियोजना अधिकारी इन्द्रभूषण तिवारी को सूचना मिली थी कि जसो थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्षीय बालिका का विवाह तय किया गया है। एसडीएम अनिकेत शांडिल्य के निर्देशन में जब मामले की गहन तहकीकात की गई, तो पता चला कि विवाह नागौद थाना क्षेत्र के ग्राम रहिकवारा में संपन्न होने वाला है। एसडीएम के निर्देश पर नागौद टीआई अशोक पाण्डेय और जसो टीआई बृजभान सिंह की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्यवाही की। पुलिस टीम ने रहिकवारा पहुंचकर वर पक्ष को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी, जिसके बाद वे विवाह रोकने पर सहमत हुए। परियोजना अधिकारी और पुलिस टीम ने बालिका के घर पहुंचकर उम्र का सत्यापन किया और परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों व कानूनी सजा के बारे में विस्तार से समझाया। समझाइश के बाद परिजनों ने लिखित सहमति दी कि वे बेटी की शादी 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही करेंगे।

एसडीएम नागौद अनिकेत शांडिल्य ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप है। इसे रोकने के लिए सजग रहें और ऐसी किसी भी सूचना के लिए टोल फ्री नंबर 1098 या महिला एवं बाल विकास विभाग को तुरंत सूचित करें।

शिक्षकों से अभद्रता करने वाले शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी

सतना। सतना जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहाड़ी में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक उदयलाल दिनकर को शराब के नशे में संस्था में उपस्थित होकर शिक्षकों के साथ अभद्रतापूर्वक बात करने, अपशब्द कहे जाने एवं शिक्षकीय गरिमा के विपरीत आचरण किये जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस में बताया गया कि म.प्र. सिविल आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत पाये जाने के फलस्वरूप आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। नैसर्गित न्याय सिद्धांत के आधार पर स्पष्टीकरण जबाब 3 दिवस के अंदर चाहा गया है। समय-सीमा में अथवा संतोषजनक न पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

मैहर में संयुक्त संचालक शशि श्याम ऊइके ने किया संकल्प से समाधान शिविर का अवलोकन

मैहर। संयुक्त संचालक रीवा संभाग श्रीमती शशि श्याम ऊइके ने सोमवार को मैहर जिले का भ्रमण कर संकल्प से समाधान अंतर्गत आयोजित शिविर का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर सैम, मैम, सूम श्रेणी के बच्चों की जानकारी ली एवं पोषण ट्रैकर ऐप से मिलान किया। इसके पश्चात आयोजित बैठक में समस्त सीडीपीओ, सुपरवाइजर एवं बीसी के साथ एचसीएम, टीएचआर की उपलब्धता एवं वितरण, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, केंद्र संचालन, समग्र सत्यापन, अपार आईडी सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। आभा आईडी के निर्माण में जिले की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए संयुक्त संचालक ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर पर्यवेक्षकों को नोटिस जारी करने तथा एक सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में स्वीकृत 112 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में शासन निर्देशानुसार भौतिक सुविधाओं के सत्यापन को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे उपस्थित रहे।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 11 फरवरी को तहसील उचेहरा में रहेंगे उपस्थित

सतना। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त) 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे तहसील उचेहरा में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर उनके साथ आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड सतना की टीम भी उपस्थित रहेगी। जो भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की स्पर्श पोर्टल से संबंधित समस्याओं का समाधान करेगी तथा जीवन प्रमाण पत्र से जुड़ी आवश्यक जानकारी देगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने जिले के समस्त भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं वीर नारियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराएं और इस सुविधा का लाभ उठाएं।

शनाया कपूर ने बताए स्टार किड होने के फायदे, बोलीं-

इस काम में मिलती है काफी मदद साझा किया मजेदार किस्सा

अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। शनाया ने पिछले साल विक्रांत मैसी के साथ फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब शनाया ने स्टारकिड होने के फायदों के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी होने के उन्हें क्या फायदे हैं?

निर्देशक-कोरियोग्राफर अपने हालिया वीडियो व्लॉग में शनाया कपूर और महीप कपूर के घर पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ शनाया के को-स्टार आदर्श गौरव भी नजर आए। इस दौरान फराह ने महीप और शनाया से बातचीत शुरू की और उनसे स्टार पेरेंट्स होने के फायदे या नुकसान के बारे में सवाल किया। इस पर शनाया ने कहा कि स्टार माता-पिता का होना अच्छी बात है क्योंकि वे फिल्म के प्रचार में मेरी मदद करते हैं। एक घटना का जिक्र करते हुए शनाया ने बताया कि एक बार वह अपनी मां के साथ थिएटर में मार्टी सुप्रीम देखने गई थीं। तभी कुछ लड़कियों ने उन्हें नजरअंदाज करते हुए महीप के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। मैं वहां अपने फोन के साथ खड़ी थी और मैंने देखा कि कुछ लड़कियां हमारी तरफ आ रही हैं। मैंने सोचा, 'अरे, ट्रेलर अभी-अभी रिलीज हुआ है और शायद वो मेरे साथ फोटो खिंचवाना चाहती हैं। मैं उठने ही वाली थी कि तभी ये लड़कियां मेरी मां के पास गईं और बोलीं, 'हम आपकी बहुत बड़ी फैन हैं।' फिर उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आप हमारी और अपनी मां की एक फोटो खींच सकती हैं? शनाया ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत पिछले साल आई फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से की थी। संतोष सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी नजर आए हैं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी। अब शनाया अपनी दूसरी फिल्म तू या मैं से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं की कहानी दो सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर के बारे में हैं। जो एक कोलैबरेशन के लिए साथ आते हैं, लेकिन फिर वो किस तरह एक बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं। फिल्म में शनाया कपूर के साथ आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 13 फरवरी को रिलीज होने वाली है और शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की फिल्म ओ रोमियो से टकराएगी।

निर्देशक-कोरियोग्राफर अपने हालिया वीडियो व्लॉग में शनाया कपूर और महीप कपूर के घर पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ शनाया के को-स्टार आदर्श गौरव भी नजर आए। इस दौरान फराह ने महीप और शनाया से बातचीत शुरू की और उनसे स्टार पेरेंट्स होने के फायदे या नुकसान के बारे में सवाल किया। इस पर शनाया ने कहा कि स्टार माता-पिता का होना अच्छी बात है क्योंकि वे फिल्म के प्रचार में मेरी मदद करते हैं। एक घटना का जिक्र करते हुए शनाया ने बताया कि एक बार वह अपनी मां के साथ थिएटर में मार्टी सुप्रीम देखने गई थीं।

'राजामौली की 'वाराणसी' के लिए प्रियंका ने की काफी मेहनत', पति निक ने की एक्ट्रेस की तारीफ

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से हिंदी सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। फिल्म की रिलीज में अभी एक साल से भी ज्यादा का समय बाकी है, इसके बावजूद फिल्म अभी से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। अब प्रियंका के पति निक जोनस ने भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने इसके प्रति प्रियंका चोपड़ा के लगन की सराहना की है। जैक सैंग शो में पहुंचे निक जोनस ने एक बार फिर प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ की है। 'वाराणसी' को लेकर प्रियंका के समर्पण की बात करते हुए निक ने कहा कि प्रियंका पिछले लगभग 14 महीनों से रुक-रुक कर शूटिंग कर रही हैं। यह एसएस राजामौली की एक बड़ी फिल्म है। यह शानदार होने वाली है। फिल्म को लेकर प्रियंका की मेहनत और उनका समर्पण काबिल-ए-तारीफ है।' 'वाराणसी' के जरिए प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के बाद अब फिर से हिंदी भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म में प्रियंका मंदाकिनी की भूमिका निभा रही हैं। पिछले साल जारी किए गए उनके पहले लुक के पोस्टर में अभिनेत्री पीले रंग की साड़ी पहने और हाथ में पिस्तौल लिए एक दमदार अवतार में नजर आई थीं, जो एक शक्तिशाली और एक्शन से भरपूर किरदार का संकेत देता है। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में महेश बाबू रुद्र की भूमिका में दिखेंगे। हालांकि, वो फिल्म में राम के अवतार में भी नजर आएंगे। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में खलनायक 'कुंभा' की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। जिसमें रामायण पर आधारित सीक्वेंस भी शामिल है। पिछले दिनों राजामौली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि रामायण पर आधारित 25 मिनट के एक सीक्वेंस को शूट करने में उन्हें 60 दिन लग गए थे। राजामौली की हर फिल्म की तरह 'वाराणसी' का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रानी ने तीनों खान के बारे में की बात, आमिर-शाहरुख पर किए खुलासे

'काम को लेकर समर्पित रहते हैं सलमान'

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मर्दानी 3' में अपने अभिनय को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसके अलावा इस साल उन्होंने सिनेमा में अपने 30 साल भी पूरे किए हैं। रानी इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने करियर में तीनों खान के साथ काम किया है। अब रानी ने तीनों खानों के काम करने के अपने-अपने तरीके पर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि सलमान खान काफी मेहनती हैं। गलाटा प्लस के साथ बातचीत में आमिर, शाहरुख और सलमान खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। शाहरुख खान के बारे में बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि वह बहुत ऊर्जावान हैं और हमेशा अपनी को-एक्ट्रेस के साथ सम्मान और प्यार से पेश आते हैं। वहीं आमिर खान की एक अभिनेता के रूप में समर्पण की तारीफ करते हुए रानी ने बताया कि वह हमेशा हर शॉट के लिए अपना बेस्ट देते हैं। जबकि सलमान के बारे में बात करते हुए रानी ने कहा कि फिर मैं सलमान से मिली और सब कुछ बिल्कुल बदल गया। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बिल्कुल अलग है। क्योंकि उनका रवैया ऐसा है कि आपको लगता ही नहीं कि वह वहां हैं, जबकि वह पूरी तरह से मौजूद होते हैं। लोग उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं जो बहुत अलग है। लेकिन वह इसे दिखाते नहीं हैं। सलमान अपने स्वैग और अपने खास रवैये के साथ आते हैं। सलमान के बारे में बात करते हुए रानी मुखर्जी ने आगे कहा कि वह इतने आकर्षक हैं कि जब वह सेट पर आते हैं तो आप सोचते हैं कि यह कौन है? सलमान अपने बिंदास अंदाज में आए और पूरी बात को लेकर बेहद सहज थे, लेकिन फिर भी उनका काम कमाल है। वह वाकई बहुत मेहनत करते हैं। शायद आप इसे पहचान नहीं पाते क्योंकि वह किसी को भी अपने काम के प्रति समर्पित नहीं होने देते। मुझे लगता है कि यह सब उनके दिमाग में है। वह पूरी तरह से वहां मौजूद रहते हैं क्योंकि वह अपना योगदान दे रहे हैं, सीन पर चर्चा कर रहे हैं, कुछ अलग करना चाहते हैं। तो बस यही है कि वो तीनों अपने-अपने क्षेत्र में दिग्गज हैं, लेकिन अपने काम के प्रति उनका दृष्टिकोण बहुत अलग है।

'ओ रोमियो' में नेशनल अवॉर्ड विनर अभिनेता और इस एक्ट्रेस ने फ्री में किया काम, विशाल भारद्वाज का बड़ा खुलासा

'मकबूल', 'ओमकारा' और 'हैदर' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक विशाल भारद्वाज अब 'ओ रोमियो' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में एक बार फिर विशाल भारद्वाज शाहिद कपूर के साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। इसमें नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तृप्ति डिमरी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया और विक्रांत मैसी जैसे कलाकारों के नाम शामिल हैं। अब विशाल भारद्वाज ने फिल्म से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है, जिसमें उन्होंने उन कलाकारों के बारे में बताया जिन्होंने फिल्म में बिना एक भी पैसा लिए काम किया है। फ्री प्रेस जर्नल के अनुसार, विशाल भारद्वाज ने बताया कि विक्रांत मैसी ने ओ रोमियो के लिए कई साल पहले हामी भरी थी। उस समय जब अभिनेता अभी भी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रहे थे। तब से, विक्रांत के करियर में काफी बदलाव आया है, खासकर 12वीं फेल की जबरदस्त सफलता के बाद। हालांकि, जब विशाल ने उनसे दोबारा संपर्क किया, तो विक्रांत ने अपनी पुरानी बात का सम्मान करते हुए कोई भी फीस लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने निर्देशक को बताया कि मकबूल फिल्म ने उन्हें सिनेमा में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया था और इस फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी थी।

रणबीर कपूर की 'रामायण' में विभीषण बनेंगे विजय सेतुपति?

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रणबीर कपूर की मल्टीस्टारर फिल्म 'रामायण' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्टिंग को लेकर हर दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं। कुछ दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि विजय सेतुपति भी 'रामायण' में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि विजय फिल्म में विभीषण का किरदार निभाएंगे। हालांकि, अब इन खबरों पर विजय सेतुपति ने खुद प्रतिक्रिया दी है। जानिए उन्होंने क्या बताया? बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, वरिष्ठ पत्रकार सुभाष के झा से बातचीत के दौरान विजय सेतुपति ने 'रामायण' में अपनी कास्टिंग पर बात की। इस दौरान विजय ने 'रामायण' में विभीषण की भूमिका निभाने से इनकार करते हुए कहा, 'जी नहीं, सर। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हूं। मुझे नहीं पता कि यह खबर कहां से आ रही है।'

इससे पहले खबरें आई थीं कि राघव जुयाल 'रामायण' में मेघनाद का किरदार निभाएंगे। रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि राघव ने फिल्म में विक्रांत मैसी को रिप्लेस किया है। पहले ये किरदार विक्रांत मैसी करने वाले थे। हालांकि, बाद में विक्रांत मैसी ने एक पोस्ट डालकर ये स्पष्ट किया कि वो कभी भी 'रामायण' का हिस्सा थे ही नहीं। फिलहाल अभी तक राघव जुयाल की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिल्म की मुख्य कास्टिंग पहले ही हो चुकी है। जिसके मुताबिक फिल्म में रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (सीता), यश (रावण), रवि दुबे (लक्ष्मण) और सनी देओल (हनुमान) की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा फिल्म में अरुण गोविल (दशरथ), लारा दत्ता (कैकेयी), इंदिरा कृष्णन (कौसल्या) और कुणाल कपूर (इंद्र) के होने की भी चर्चाएं हैं। वहीं फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, बॉबी देओल, काजल अग्रवाल, मोहित रैना, आदिनाथ कोठारे जैसे कलाकारों के जुड़ने की भी खबरें हैं। हालांकि, इनके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

अपनी बेटी राहा के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहते हैं रणबीर कपूर, बोले- मैं उसे ऐसे पंख देना चाहता...

रणबीर और उनकी पत्नी आलिया भट्ट ने 6 नवंबर, 2022 को अपनी पहली संतान राहा कपूर का स्वागत किया। आलिया ने कई बार बताया है कि रणबीर अपनी बेटी के साथ बहुत समय बिताते हैं।

रणबीर कपूर के यूट्यूब चैनल किंगडम पर शेयर किए गए एक वीडियो में उन्होंने अपनी बेटी राहा के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। रणबीर ने बताया कि उनके दिवंगत पिता ऋषि कपूर के साथ उनका रिश्ता थोड़ा दूर-दूर वाला था। उस जमाने में पिता और बेटे के बीच ऐसी ही दूरी रहती थी, जैसे एक कांच की दीवार हो।

राहा के साथ कैसा है रणबीर का रिश्ता रणबीर नहीं चाहते कि उनकी बेटी राहा के साथ भी ऐसा ही हो। रणबीर ने कहा, मैं उस दीवार को तोड़ना चाहता हूं। मैं राहा का दोस्त बनना चाहता हूं।

मैं उसे ऐसे पंख देना चाहता हूं कि वो जहां चाहे उड़ सके। कपूर परिवार की विरासत पर भी रणबीर ने बात की। रणबीर मानते हैं कि अगर कोई सिर्फ पिछले लोगों की नकल करता है, तो सफलता सीमित रह जाती है। व्यक्ति को अपना अलग तरीका और नई सोच लानी चाहिए। अगर सच्ची भावना और विरासत को आगे बढ़ाया जाए, तो कोई नहीं रोक सकता। फिल्मों की बात करें तो रणबीर के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। वह नितेश तिवारी की फिल्म रामायण- भाग 1 में भगवान राम का किरदार निभाएंगे।

आवारा मवेशियों का आतंकः इटारसी की सड़कों पर हर दिन मौत से मुठभेड़

» बीच सड़क सांडों की भिड़ंत से दहशत, बाल-बाल बचा युवक – प्रशासन की चुप्पी पर उठे तीखे सवाल

इटारसी। शहर की सड़कों पर इन दिनों ट्रैफिक से ज्यादा डर आवारा मवेशियों का है। मुख्य बाजार, बस स्टैंड मार्ग, रेलवे फाटक के आसपास की सड़कें हों या फिर रिहायशी कॉलोनियां—हर जगह खुलेआम घूमते सांड और गायें आम नागरिकों के लिए जानलेवा खतरा बन चुके हैं। स्थिति यह है कि राहगीर सड़क पार करने से पहले वाहनों से ज्यादा इन जानवरों को देख रहे हैं।

हाल ही में शहर के एक व्यस्त मार्ग पर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो सांड अचानक बीच सड़क पर आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते एक-दूसरे पर टूट पड़े। उनके बीच हुई भीषण भिड़ंत से पूरा मार्ग जाम हो गया। वाहन चालकों ने ब्रेक लगाए, लोग इधर-उधर भागे और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसी दौरान एक युवक उनकी चपेट में आते-आते बचा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि वह कुछ सेकंड की देर करता तो गंभीर दुर्घटना तय थी।

यह कोई पहली घटना नहीं है। शहर में पहले भी कई लोग आवारा मवेशियों की वजह से दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। कुछ मामलों में लोगों की जान भी जा चुकी है। बावजूद इसके नगर पालिका प्रशासन की ओर से न तो नियमित पकड़धकड़ अभियान दिखाई देता है और न ही दीर्घकालिक समाधान की कोई ठोस रणनीति।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन इटारसी में हालात इसके उलट दिखाई दे रहे हैं। आज मैंने खुद देखा कि एक युवक की जान जाते-जाते बची। अगर कोई बड़ा हादसा हो जाता तो जिम्मेदार कौन होता? प्रशासन कब जागेगा? उन्होंने पूछा।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समस्या की जड़ में लापरवाही और ढीला अमल है। शहर में बड़ी संख्या में मवेशी खुले में छोड़ दिए जाते हैं। न तो मालिकों पर प्रभावी कार्रवाई होती है और न ही दंडात्मक प्रावधानों का सख्ती से पालन। नतीजा यह है कि सड़कों पर ये पशु दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि— आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

शहर में पर्याप्त और व्यवस्थित गौशालाओं की व्यवस्था की जाए। पशु मालिकों पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर निगरानी बढ़ाई जाए। सवाल साफ है—क्या किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार किया जा रहा है? इटारसी की जनता अब आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई चाहती है। सड़कों पर पसरा यह 'मवेशी आतंक' केवल यातायात की समस्या नहीं, बल्कि जन सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बन चुका है। अब निगाहें नगर पालिका प्रशासन पर हैं—क्या वह इस चुनौती को स्वीकार कर निर्णायक कदम उठाएगा, या फिर शहर यूं ही हर दिन खतरे के साए में जीता रहेगा।

ग्राम इमलिया के बयारमा नदी अन्तर्गत खर्राघाट से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते हुए जप्त

दमोह। जिला कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई लगातार जारी हैं। इस सबंध में खनिज अधिकारी दमोह ने बताया दमोह तहसील अन्तर्गत ग्राम इमलिया के बयारमा नदी अन्तर्गत खर्राघाट से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस चौकी इमलिया मे खडा किया गया। इसके अलावा एक अन्य ट्रेक्टर द्वारा रेत का अवैध परिवहन पाए जाने पर इमलिया मे जप्त कर पुलिस चौकी इमलिया मे खड़ा किया गया है।

उन्होंने कहा उक्त दोनो प्रकरण मे गौण खनिज नियमो के तहत कारवाई प्रस्तावित की जायेगी। जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई सतत जारी रहेगी।

लाखों की लागत वाला बालिका शौचालय बना लापरवाही का शिकार, एसडीएम का फूटा गुस्सा

सईद खांन सिरोंज। शनिवार को शासकीय माध्यमिक शाला आलमपुर का एसडीएम ने किया निरीक्षण। लटेरी क्षेत्र में शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों में अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आलमपुर शासकीय माध्यमिक शाला में निर्माणाधीन नवीन बालिका शौचालय के निरीक्षण के दौरान एसडीएम नितिन जैन ने घटिया निर्माण को लेकर संबंधित विभागीय कर्मचारियों और ठेकेदार पर कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान शौचालय निर्माण में इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई, जिससे बालिकाओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, लटेरी क्षेत्र में शिक्षा विभाग द्वारा 9 नए बालिका शौचालयों के निर्माण और 11 शौचालयों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत की गई है। हालांकि, निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि बालिका शौचालय निर्माण के लिए लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये तक की राशि स्वीकृत की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य में घटिया सामग्री और लापरवाही के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 12 बाई 24 आकार के मकान के लिए करीब 1 लाख 40 हजार रुपये और शहरी क्षेत्र में लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि में बेहतर और व्यवस्थित निर्माण संभव है, तो 12 बाई 12 के बालिका शौचालय के लिए इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण निर्माण क्यों नहीं हो पा रहा है। एसडीएम नितिन जैन ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में लापरवाही या अनियमितता पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले ने शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं और अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई करता है।

इस्टीमेट तो ऊपर से ही बनाया गया है एस्टीमेट के मुताबिक ही कार्य कराया जाएगा और अपन दिख बाते रहेंगे।

–एसडीएम लटेरी नितिन जैन

किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत जिलेभर में चलाया जा रहा कृषि रथ

किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी

नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले के सभी 6 विकासखंडों में कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है। कृषि रथ के माध्यम से जिले के किसानों को ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण), आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है। कृषि विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम देवनगर नया, बकोरी व बचई, विकासखंड गोटेगांव के अंतर्गत ग्राम नेगुवा, उमरिया, भामा और विकासखंड चांवरपाठा के अंतर्गत ग्राम सीहोरा, ठुठी एवं हरई का भ्रमण किया। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने, फसल विविधीकरण, विभागीय योजनाओं, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा पराली (नरवाई) प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, जीरो टिलेज सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, स्ट्रा रीपर एवं रीपर कम बाइंडर की तकनीकी जानकारी भी दी गई। किसानों को बताया गया कि सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर जैसे यंत्र खेत की तैयारी, नरवाई प्रबंधन एवं बोनी जैसे तीन कार्य एक साथ करते हैं, जिससे समय और लागत की बचत होती है तथा उत्पादन में भी वृद्धि होती है। किसानों को यह भी समझाइश दी गई कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है एवं वायु प्रदूषण भी फैलता है, जबकि नरवाई को खेत में मिलाकर खाद के रूप में उपयोग करना अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण हितैषी है। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित रहे। कृषि रथ बुधवार को विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम करहैया बचई, बबरिया, चीलाचोन खुर्द तथा विकासखंड चांवरपाठा के अंतर्गत ग्राम पुरगुवां, चिरचिरा एवं नयागांव का भ्रमण करेगा। कृषि विभाग ने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कृषि संबंधी आधुनिक तकनीकों, शासकीय योजनाओं एवं कृषि से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त करने के लिए उपस्थिति की अपील की है।

क्रिकेट के भगवान से मिले 19 वर्ल्डकप विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे, सचिन तेंदुलकर ने गिफ्ट की स्पेशल जर्सी

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे में तिरंगा लहराकर आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे स्वदेश लौट आए हैं। उनकी अगुवाई में भारत ने फाइनल में इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी अपने नाम की। मुंबई एयरपोर्ट पर उनका स्वागत ढोल-नगाड़ों और 'इंडिया-इंडिया' के नारों के बीच हुआ, जहां परिवार और प्रशंसकों ने उन्हें कंधों पर बिठाकर जीत का जश्न मनाया। देश लौटते ही आयुष के लिए एक और यादगार पल तब आया, जब वे अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर से मिलने उनके घर पहुंचे। यह मुलाकात उनके करियर के सबसे खास क्षणों में से एक बन गई। सचिन ने उन्हें विश्व कप जीत की बधाई दी और अपने करियर की अंतिम टेस्ट सीरीज में पहनी हुई साइन की गई जर्सी उपहार में दी। जर्सी पर लिखे संदेश में सचिन ने आयुष के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। युवा कप्तान के लिए यह सम्मान किसी ट्रॉफी से कम नहीं था। मुलाकात के दौरान सचिन ने आयुष को अहम सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि सफलता के साथ कई तरह के आकर्षण और ध्यान भटकाने वाली चीजें सामने आएंगी, लेकिन एक खिलाड़ी को हमेशा अपने खेल और मेहनत पर फोकस बनाए रखना चाहिए। लगातार अभ्यास और अनुशासन ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इस खास मुलाकात का वीडियो आयुष ने सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने भावुक संदेश में लिखा कि वे सचिन को टीवी पर देखकर बड़े हुए हैं और आज उनसे आशीर्वाद पाना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस जर्सी को वे सम्मान के साथ संजोकर रखेंगे। मैदान पर भी आयुष ने कप्तान के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 51 गेंदों पर 53 रन बनाए, जबकि सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 62 रनों की अहम पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 7 पारियों में 214 रन बनाए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कप्तानी, संयम और प्रदर्शन की सराहना क्रिकेट जगत में हो रही है।

तीसरी मुंबई का रास्ता साफ 200 वर्ग किमी जमीन का हैंडओवर पूरा, जानें फडणवीस सरकार का मेगा प्लान

मुबई । महाराष्ट्र राज्य सरकार ने 'तीसरी मुंबई' के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक यानी अटल सेतु के पास विकास कार्यों के लिए जमीन अधिग्रहण और आवंटन नीति को मंजूरी दे दी गई है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए 200 वर्ग किलोमीटर जमीन मुंबई महानगर क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (स्न्न्ठ्ठ) को सौंप दी है। यह नया शहर मुंबई के भीड़भाड़ वाले इलाकों को राहत देने और क्षेत्रीय विकास को संतुलित करने में गेम चेंजर साबित होगा।

अटल सेतु शिवड़ी को न्हावा शेवा से जोड़ता है। इसके आसपास के इलाके को 'तीसरी मुंबई' के तौर पर विकसित किया जाएगा। कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, यह पॉलिसी न्यू टाउन डेवलपमेंट अथॉरिटी और स्न्न्ठ्ठ द्वारा भविष्य में लागू किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स पर लागू होगी। सरकार का लक्ष्य अटल सेतु के इंपैक्ट ज़ोन में एक प्लान्ड शहर बसाना है। इससे न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर होगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। जमीन के अधिग्रहण और वितरण के लिए एक स्पष्ट ढांचा तैयार होने से अब प्रोजेक्ट्स की फाइलें अटकेंगी नहीं। पुणे के पुरंदर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को लेकर भी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसके लिए एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (स्क्क्) बनाया जाएगा और जमीन अधिग्रहण के लिए 6,000 करोड़ रुपये का लोन मंजूर किया गया है। खास बात यह है कि 96 प्रतिशत किसान इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं। वहीं, कोल्हापुर के करवीर तालुका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए 12176 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है। इसके अलावा, इंदापुर में नई औद्योगिक बस्ती के लिए 1,000 एकड़ जमीन स्ढ्डछ्व को ट्रांसफर करने की मंजूरी मिली है। राज्य के किसानों के लिए कैबिनेट ने नाबार्ड से 15,000 करोड़ रुपये का लॉन्ग टर्म लोन लेने का फैसला किया है। इससे सिंचाई की अधूरी परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा, जिसका सीधा फायदा 8 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को होगा। साथ ही, ग्रामीण स्वास्थ्य को सुधारने के लिए 'माझा गांव, आरोग्य संपन्न गांव' अभियान शुरू किया जाएगा। इस कैंपेन के लिए 80175 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। अच्छा काम करने वाली ग्राम पंचायतों को 5 लाख से लेकर 2 करोड़ रुपये तक के इनाम दिए जाएंगे।

जनता की अपेक्षाओं का है केन्द्रीय बजटः विजय पांडे

छिंदवाड़ा। केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर मंगलवार को कृषि उपज मंडी कुसमैली मंडी में श्रमिक संवाद कार्यक्रम हुआ।जिसमें कृषि उपज मंडी के श्रमिक शामिल हुए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री एवं केंद्रीय बजट टोली के संयोजक विजय पाण्डे ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। केंद्रीय बजट मध्यप्रदेश के आर्थिक-औद्योगिक और सामाजिक विकास का ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा। पूंजीगत व्यय में वृद्धि, शहरों के विकास व लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम का विकास प्रदेश के लिए वरदान बनेगा। यह बजट सतत आर्थिक विकास के साथ जन अपेक्षाओं को पूरा करने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने समय-समय पर अपने निर्णयों से देश को सशक्त बनाने के साथ दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया है। इस बजट के माध्यम से उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे। यह केंद्रीय बजट सभी वर्गों की आशा-आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ उन्हें सशक्त बनाने में निर्णायक सिद्ध होगा। यह बजट श्रमिकों को महत्व देगा और श्रमिक अपेक्षाओं को पूर्ण करेगा।

एलएनसीटी–ईडीआईआई ने बढ़ाया मध्य प्रदेश में स्टार्टअप उत्साह

भोपाल। एलएनसीटी कैंपस, भोपाल में आयोजित टेक बीआईपीङ्कएम्प्रेसारियो 2026 के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते उद्योग विशेषज्ञ मानवेन्द्र सिंह गौर। एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस, भोपाल एवं एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में टेक बीआईपीङ्कएम्प्रेसारियो 2026 का सफल आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर की टेक्नोलॉजी आधारित बिज़नेस आइडिया पिच प्रतियोगिता एलएनसीटी कैंपस, रायसेन रोड, भोपाल में संपन्न हुई।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश में नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और उद्यमशील सोच को प्रोत्साहित करना था, ताकि विद्यार्थी अपने तकनीक आधारित व्यावसायिक विचार विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु किसी प्रकार का पंजीकरण शुल्क नहीं रखा गया था। प्रतिभागियों को उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने तथा अहमदाबाद में आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले तक पहुँच का सुनहरा अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मानवेन्द्र सिंह गौर, प्रबंध निदेशक रहे। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' अभियान के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए भोपाल जैसे शहरों से भी बड़ी और सफल कंपनियाँ स्थापित किए जाने की प्रेरक बातें साझा कीं।

दीपक साहू को मिलेगा डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर नोवेल अवार्ड

छिंदवाड़ा। जिले के सिंगोड़ी निवासी दीपक साहू को वर्ष 2026 का डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर नोवेल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। 9 अप्रैल को मुंबई के होटल सिया प्रिंसेस जुही में आयोजित समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया जाएगा। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स काउंसिल सेंट्रल इंडिया जोनल, बोर्ड नागरिक विकास विभाग के अध्यक्ष के रूप में उनके सामाजिक कार्यों और जनसेवा के योगदान को यह बड़ी पहचान मिली है। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)